मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 328
गुरुवार, 18 जून 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

15 जुलाई से लागू होगा भारत-ब्रिटेन व्यापार समझौताः पीएम मोदी

नई दिल्ली, 17 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भारत और ब्रिटेन के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) 15 जुलाई से लागू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश के रिश्तों को काफी बढ़ावा मिलेगा।

भारत और ब्रिटेन के बीच एफटीए को आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक और व्यापार समझौते (सीईटीए) के तौर पर जाना जाता है। लगभग तीन साल की बातचीत के बाद दोनों देशों ने इस समझौते पर पिछले साल जुलाई में हस्ताक्षर किए थे।

इंटरनेट मीडिया पर प्रधानमंत्री ने कहा, यह समझौता दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देगा। यह भारतीय किसानों, मजदूरों, एमएसएमई, स्टार्टअप के लिए भी कई मौके खोलेगा और विकसित भारत 2047 को पूरा करने में अहम योगदान देगी। इस समझौते का सबसे बड़ा फायदा भारतीय निर्यात उद्योग को मिलने की उम्मीद है। ब्रिटेन ने इलेक्ट्रानिक्स, टेक्सटाइल, केमिकल्स, फार्मास्यूटिकल्स, खिलौने, रत्न एवं आभूषण जैसे कई भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क को शून्य करने का फैसला किया है। इससे भारतीय कंपनियों के लिए ब्रिटिश बाजार में प्रतिस्पर्धा करना आसान होगा। विशेष रूप से श्रम-आधारित उद्योगों को बड़ा लाभ मिलने की संभावना है, क्योंकि इन क्षेत्रों में पहले 8 से 20 प्रतिशत तक शुल्क लगता था। भारत के कपड़ा और चमड़ा उद्योग को इस समझौते से विशेष लाभ मिलने वाला है। टेक्सटाइल और परिधान उत्पादों पर लगने वाला शुल्क समाप्त होने से भारतीय उत्पाद ब्रिटेन में अधिक प्रतिस्पर्धी बन जाएंगे। वहीं लेदर उत्पादों पर 16 प्रतिशत तक के शुल्क में कटौती से भारतीय कंपनियों के लिए नया बाजार खुलेगा। उद्योग विशेषज्ञों का मानना है कि अगले एक-दो वर्षों में भारत ब्रिटेन के लेदर बाजार में अपनी हिस्सेदारी उल्लेखनीय रूप से बढ़ा सकता है।

गाजा में खूनखराबा जारी, युद्धविराम के बीच 1,000 से अधिक लोगों की मौत

गाजा, 17 जून। इजरायल और हमास के बीच जारी युद्ध ने अब एक ऐसा खौफनाक मोड़ ले लिया है, जहां 'शांति समझौते' और 'सीजफायर' जैसे शब्द बेमानी साबित हो रहे हैं। गाजा पट्टी से आई ताजा रिपोर्ट ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया है, जहां मलबे के ढेर के बीच अब तक 73,000 से अधिक लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है।

हैरानी और दुख की बात यह है कि पिछले साल अक्टूबर में इजरायल और हमास के बीच हुए संघर्ष विराम (सीजफायर) समझौते के बाद से अब तक 1,000 से ज्यादा फिलिस्तीनी मारे जा चुके हैं। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, गाजा पट्टी के मध्य शहरों और शरणार्थी शिविरों में हाल ही में हुए इजरायली ड्रोन हमलों ने भारी तबाही मचाई है। यहां हर रोज कहीं न कहीं गोलाबारी और भीषण गोलीबारी की आवाजें गूंज रही हैं, जिससे आम नागरिकों का जीवन नर्क बन चुका है।

दूसरी ओर, इजरायली सेना ने साफ कर दिया है कि वह हमास और उसके सहयोगी उग्रवादी संगठनों को जड़ से मिटाने के लिए अपना अभियान और तेज करेगी। इजरायली सेना के बयान के मुताबिक, उन्होंने गाजा पट्टी के भीतर अपने नियंत्रण वाले क्षेत्र का विस्तार कर लिया है सेना ने दावा किया है कि बीते सप्ताहांत किए गए सटीक हमलों में हमास और फिलिस्तीनी इस्लामिक जिहाद के दो सक्रिय आतंकियों को मार गिराया गया है।

गाजा का स्वास्थ्य मंत्रालय, जिसे अंतरराष्ट्रीय समुदाय और चिकित्सा विशेषज्ञ विश्वसनीय मानते हैं, लगातार इन मौतों का रिकॉर्ड रख रहा है। हालांकि इन आंकड़ों में लड़ाकों और आम नागरिकों का अलग-अलग ब्योरा नहीं है, लेकिन 73,000 का यह आंकड़ा मानवता के माथे पर एक गहरा कलंक है। गाजा के चप्पे-चप्पे पर इजरायली सेना और उग्रवादियों के बीच आमने-सामने की जंग जारी है, जिसका अंत फिलहाल नजर नहीं आ रहा।

ISHRAE मुंबई चैप्टर प्रस्तुत करता है-सिम्पोजिया 2026

मुंबई। इंडियन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग एंड एयर कंडीशनिंग इंजीनियर्स (ISHRAE) का मुंबई चैप्टर आपको डेटा सेंटर्स पर आयोजित होने वाले हमारे प्रमुख राष्ट्रीय टेक्निकल कॉन्फ्रेंस, सिम्पोसिया 2026' (Symposia 2026) के 13वें संस्करण का कार्यक्रम आयोजित किया गया है।

ISHRAE मुंबईचैप्टर के अध्यक्ष मुकेशसुथार और निर्वाचित अध्यक्ष संजय कुमार वर्मा और उनकी टीम ने क्रळफ्अए मुंबई चैप्टर के मुख्य इवेंट के बारे में जानकारी दी। सिम्पोज़िया, ISHRAE मुंबई का मुख्य राष्ट्रीय टेक्निकल फोरम है। इसमें हर साल अलग-अलग तरह की भारी इंडस्ट्रीज से 450 से ज्यादा डेलीगेट्स शामिल होते हैं। यह सालाना आयोजन जानकारी के आदान-प्रदान का एक अहम प्लेटफॉर्म है, जहाँ सीनियर फैसले लेने वाले, मुख्य कंसल्टेंट, इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट मैनेजर, स्पेशलाइज्ड सिस्टम इंटीग्रेटर, टेलीकॉम प्रोवाइडर, क्रिटिकल IT इंफ्रास्ट्रक्चर स्पेशलिस्ट और इंडस्ट्रियल सेफ़्टी सॉल्यूशन प्रोवाइडर एक साथ आते हैं। वे गहरी टेक्निकल जानकारी साझा करते हैं, नए प्रोटोकॉल पर चर्चा करते हैं और बेहतरीन बिजनेस नेटवर्क बनाते हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के तेजी से बढ़ते उपयोग को देखते हुए, इस वर्ष का विषय पूरी तरह से क्लाउड कूलिंग-एआई संचालित डेटा सेंटर्स पर केंद्रित है। वैश्विक नेताओं, अग्रणी शोधकर्ताओं और अवसंरचना विशेषज्ञों से अगली पीढ़ी की तकनीकी चुनौतियों को समझने के लिए महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्राप्त करें। पूरे दिन के प्रोग्राम में 19 टेक्निकल ट्रैक और 2 हाई-लेवल उड पैनल शामिल हैं, जिनमें डीकार्बोनाईजेशन, डिजाइन डेंसिटी और बैटरी स्टोरेज जैसे विषयों पर चर्चा होगी। 2026 के एजेंडा में लॉरेंस बर्कले नेशनल लेबोरेटरी के डॉ. निहार शाह का कीनोट और NVIDIA, STT और Dell Technologies के आर्किटेक्ट्स और इंजीनियरों के नेतृत्व में होने वाले सेशन शामिल हैं। यह कार्यक्रम डेटा सेंटर्स पर ISHRAE के व्हाइट पेपर की आधिकारिक लॉन्चिंग का प्रतीक है।

दिल्ली-एनसीआर में महंगी कारें उड़ाने वाले गैंग का पर्दाफाश, 8 गिरफ्तार

नई दिल्ली, 17 जून। दक्षिण पश्चिमी जिले की एंटी आटो थेफ्ट स्क्वॉड की टीम ने दिल्ली समेत एनसीआर से महंगी गाड़ियां चोरी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ कर तीन रिसीवर समेत आठ आरोपितों को गिरफ्तार किया है।

पुलिस ने इनकी निशानदेही पर नौ चोरी कार, एक मोटरसाइकिल, 18 जोड़ी फर्जी नंबर प्लेट, डुप्लीकेट चाबियां तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली 21 रिमोट चाबियां और ओबीडी स्कैनर, ड्रिल मशीन व लाक तोड़ने के उपकरण बरामद किए हैं। पुलिस ने आरोपितों की गिरफ्तार से वाहन चोरी के 10 मामले सुलझाने का दावा किया है।

उपायुक्त अमित गोयल के मुताबिक, जिले में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं को देखते हुए एक टीम गठित की गई थी। पुलिस टीम ने घटनास्थल का दौरा किया, सीसीटीवी फुटेज खंगाली और तकनीकी जांच की। जांच के दौरान पुलिस को सूचना मिली कि एक चोरी की कार बाबा गंगनाथ मार्ग, मुनरिका की ओर आने वाली है। सुबह करीब सात बजे अरुणा आसफ अली रोड से आ रही एक हुंडई क्रेटा को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन ड्राइवर भागने लगा। बैरिकेडिंग लगाकर कार को रोका गया और मेरठ के आसिम उर्फ दीवाना को गिरफ्तार किया।जांच में पता चला कि कार पर फर्जी नंबर प्लेट लगी थी और उसका असली नंबर मॉडल टाउन थाना क्षेत्र से चोरी हुई कार का था। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने रियाजुद्दीन, कुलदीप वर्मा, आरिफ और सतीश कुमार पाल को गिरफ्तार किया।

वहीं, चोरी की गाड़ी खरीदने वाले फजर, महमूद खान और उजेर कुरैशी को भी दबोचा गया। इनकी निशानदेही पर पुलिस ने दो हुंडई क्रेटा, दो मारुति बलेनो, दो मारुति स्विफ्ट, एक मारुति वैगनआर, एक हुंडई आई-20, एक हुंडई एक्सटर, एक मोटरसाइकिल व अन्य सामान बरामद किया। पुलिस के मुताबिक, गिरोह के सदस्य डुप्लीकेट चाबियों, रिमोट डिवाइस और ओबीडी स्कैनर की मदद से दिल्ली समेत एनसीआर से गाड़ी चुराते थे। इसके बाद गाड़ियों के इंजन और चेसिस नंबर से छेड़छाड़ कर उन पर फर्जी नंबर प्लेट लगा दी जाती थी।कुछ गाड़ियों को नकली दस्तावेजों के जरिए बेच दिया जाता था, जबकि कई गाड़ियों को खोलकर उनके पुर्जे अलग-अलग बेचे जाते थे।

पुलिस के अनुसार, आरोपितों में आसिम के खिलाफ वाहन चोरी, धोखाधड़ी और आर्म्स एक्ट समेत 63 मामले दर्ज हैं। वह मुख्य आरोपित भी है। रियाजुद्दीन पर 11, कुलदीप पर 12, आरिफ पर 13 और सतीश पर 20 आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार, गिरोह का नेटवर्क दिल्ली, यूपी और राजस्थान तक फैला हुआ है। मामले में आगे की जांच जारी है।

माफिया पर वार करें, छात्रों पर नहीं: राहुल गांधी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बुधवार को NEET-UG पेपर लीक की चिंताओं के बीच टेलीग्राम पर लगाई गई पाबंदियों को लेकर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार पेपर लीक माफिया पर कार्रवाई करने के बजाय छात्रों को निशाना बना रही है। यह कदम नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (NTA) द्वारा मंगलवार को भारत में टेलीग्राम प्लेटफॉर्म के इस्तेमाल पर एक तय और सीमित समय के लिए रोक लगाने के बाद उठाया गया है। यह रोक 22 जून 2026 तक लागू रहेगी, जिसमें NEET (UG) 2026 की दोबारा परीक्षा का दिन और उसके ठीक बाद का समय भी शामिल है।

पर एक पोस्ट में गांधी ने कहा कि टेलीग्राम पर बैन- पेपर लीक रोकने के लिए मोदी सरकार का नया हथकंडा।

कांग्रेस ने अमित शाह पर साधा निशाना

नई दिल्ली। बुधवार को कांग्रेस ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर लोकतंत्र को कमजोर करने और लालच देकर विपक्षी दलों के नेताओं को अपनी पार्टी में शामिल कराने का आरोप लगाया। पार्टी का कहना है कि बीजेपी उन नेताओं को निशाना बना रही है जो बीजेपी-विरोधी एजेंडे पर चुनाव जीतकर आए थे। कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि इस साल की शुरूआत में संसद में मिली हार की भरपाई करने के लिए शाह विपक्ष पर लगातार हमले कर रहे हैं।

रमेश ने पर एक पोस्ट में कहा कि उनके लुभावने प्रस्ताव उन लोगों को इखढ में शामिल होने के लिए आकर्षित कर रहे हैं, जो सिर्फ.दो साल पहले इखढ-विरोधी मजबूत एजेंडे पर चुने गए थे। कहा जा रहा है कि उन्हें जो फायदे दिए जा रहे हैं, वे हैरान करने वाले हैं। गृह मंत्री का ज़िक्र करते हुए रमेश ने आरोप लगाया कि गृह मंत्री पूरी तरह से मतलबी अभियान चला रहे हैं, जो बहुत अच्छी तरह से व्यवस्थित है और म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री की तरह ही, लोगों की जरूरतों के हिसाब से कई तरह की स्कीम और प्रोडक्ट पेश करता है।उन्होंने आगे कहा कि उनकी बदनीयती की कोई सीमा नहीं है। लेकिन वे अपने असली मकसद में कामयाब नहीं हो पाएंगे। महाराष्ट्र में शिवसेना से नेताओं के पाला बदलने की अटकलों के बीच कांग्रेस नेता का यह बयान आया है। शिवसेना नेता संजय राउत ने मंगलवार देर रात आरोप लगाया कि राज्य के सांसदों को लुभाने की कोशिशें की जा रही हैं। पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि अपना सपना मनी... मनी! ऐसी जानकारी है कि महाराष्ट्र के सांसदों को खरीदने के लिए आज रात 15 करोड़ रुपये की एडवांस रकम दी जाएगी। यह चौंकाने वाला और शर्मनाक है!

भारतीय टीम ने जीत के साथ पलटा महिला टी20 वर्ल्ड कप का इतिहास

नई दिल्ली, 17 जून। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की तूफानी बल्लेबाजी के बाद श्री चरणी की फिरकी के जाल में नीदरलैंड्स फंस गया। भारतीय महिला टीम ने टी20 वर्ल्ड कप 2026 के मुकाबले में डच टीम को 95 रनों की बड़ी हार थमा दी। मंधाना और शेफाली ने बल्लेबाजी में अर्धशतक लगाया था और टीम इंडिया को 209 रनों के स्कोर पर पहुंचाया था।

नीदरलैंड्स की टीम 114 रनों पर सिमट गई और हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम ने 95 रनों से जीत हासिल की। श्री चरणी के फिरकी का जवाब डच बल्लेबाजों के पास नहीं था और भारत ने जीत हासिल की। टीम इंडिया की ये महिला टी20 वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे बड़ी जीत है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम के लिए सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा ने शानदार अंदाज में आगाज किया। दोनों ने शुरूआत से ही नीदरलैंड्स के गेंदबाजों पर दबदबा बनाया और आक्रामक बैटिंग की। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए शतकीय साझेदारी की। स्मृति और शेफाली दोनों ने ही अर्धशतक लगाया और टीम इंडिया को 200 से अधिक का स्कोर बनाने में मदद की। स्मृति ने 47 गेंदों पर 74 रनों की पारी खेली, जिसमें 11 चौके और एक छक्का शामिल रहा। शेफाली ने 38 बॉल पर 55 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 10 चौके निकले।

TIWARI'S
SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकिस्ता उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW

SMART CLASSROOM
(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
• Std. XI & XII (Sci.)
• NEET
• JEE (Main & Advance)
• MHT-CET
• Polytechnic & Engg
• Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

विश्व शांति एवं संतुलन के लिए आत्ममंथन हो जी-7 बैठक में

-ललित गर्ग

फ्रांस में आयोजित जी-7 शिखर सम्मेलन पर इस समय पूरी दुनिया की निगाहें टिकी हुई हैं। वैश्विक अर्थव्यवस्था, अंतरराष्ट्रीय राजनीति, व्यापार, जलवायु परिवर्तन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ऊर्जा सुरक्षा और युद्ध जैसे अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए दुनिया की सात प्रमुख विकसित अर्थव्यवस्थाओं का यह मंच एकत्रित हुआ है। ऐसे समय में यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि क्या जी-7 आज भी उतना ही प्रासंगिक और प्रभावशाली है, जितना उसकी स्थापना के समय था? क्या यह संगठन वास्तव में वैश्विक समस्याओं के समाधान का मंच बन पाया है अथवा यह कुछ शक्तिशाली देशों के हितों की रक्षा का माध्यम बनकर रह गया है? क्या इस मंच की प्रासंगिकता एवं उपयोगिता को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने स्वार्थों के चलते धुंधलाने में लगे हैं? विश्व में शांति स्थापना, संतुलित आर्थिक विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बने विभिन्न वैश्विक संगठनों की सफलता का मूल्यांकन उनके परिणामों से होता है, न कि उनके घोषणापत्रों से। दुर्भाग्य से जी-7 के संदर्भ में यह प्रश्न बार-बार उठता रहा है कि उसके निर्णयों और घोषणाओं का वास्तविक प्रभाव कितना है। पिछले वर्षों में रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का संकट, वैश्विक आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन की चुनौती और बढ़ती व्यापारिक प्रतिस्पर्धा जैसी समस्याओं के समाधान में यह संगठन अपेक्षित भूमिका निभाने में सफल नहीं दिखा है।

जी-7 में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान शामिल हैं, लेकिन व्यवहारिक रूप से इसकी दिशा और नीति निर्धारण पर अमेरिका का प्रभाव सबसे अधिक दिखाई देता है। विशेष रूप से राष्ट्रपति ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका की विदेश नीति ने सहयोग के बजाय दबाव और वर्चस्व की प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया है। ट्रंप ने अपने सहयोगी देशों के साथ भी कई बार ऐसा व्यवहार किया है, मानो वे साझेदार नहीं बल्कि अमेरिकी नीतियों का अनुसरण करने वाले अनुयायी हों। टैरिफ युद्ध, व्यापारिक प्रतिबंध, रक्षा व्यय को लेकर दबाव और अनेक एकतरफा निर्णयों ने सदस्य देशों के बीच अविश्वास बढ़ाया है। विशेषतः ईरान- इजरायल युद्ध ने समूची दुनिया की अर्थव्यवस्था का धराशायी कर दिया और यह अब अमेरिका के कारण ही हुआ है क्योंकि पिछले कुछ महीनों में हिंसक संघर्ष ने पूरे क्षेत्र को एक व्यापक युद्ध की आशंका से भर दिया था। ईरान, इजरायल और इस क्षेत्र के अनेक गैर-राज्यीय समूह आमने-सामने खड़े दिखाई दे रहे थे। इस संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण केंद्र होर्मुज जलमार्ग बन गया था, जहां से विश्व के लगभग पांचवें हिस्से का तेल गुजरता है। जी-7 समूह के देश भी इसको लेकर बंटे हुए थे।

यही कारण है कि जी-7 के भीतर आज पहले जैसी एकजुटता दिखाई नहीं देती। फ्रांस, जर्मनी, कनाडा और जापान जैसे देश कई मुद्दों पर अमेरिका से अलग दृष्टिकोण रखते हैं। ईरान युद्ध ही नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन के प्रश्न पर, वैश्विक व्यापार के नियमों पर और बहुपक्षीय संस्थाओं की भूमिका को लेकर भी मतभेद सामने आते रहे हैं। ऐसे में यह अपेक्षा करना कठिन है कि यह संगठन विश्व की जटिल समस्याओं के समाधान के लिए कोई सर्वमान्य और प्रभावी रणनीति प्रस्तुत कर पाएगा। इस सम्मेलन में भारत की उपस्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत भले ही जी-7 का सदस्य न हो, लेकिन उसकी बढ़ती आर्थिक शक्ति, वैश्विक प्रतिष्ठा और विकासशील देशों के प्रतिनिधि स्वरूप ने उसे इस मंच का एक महत्वपूर्ण सहभागी बना दिया है। यह अवसर केवल भारत की उपलब्धियों को प्रस्तुत करने का नहीं, बल्कि उन विकासशील और निर्धन देशों की आकांक्षाओं को मुखर करने का भी है, जिनकी आवाज अक्सर वैश्विक निर्णय प्रक्रिया में दब जाती है।

आज अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका के अनेक देश आर्थिक संकट, खाद्य असुरक्षा, जलवायु आपदाओं और ऋण के बोझ से जूझ रहे हैं। उनकी प्राथमिकताएं जी-7 देशों की प्राथमिकताओं से भिन्न हैं। इसलिए भारत को यह प्रश्न उठाना चाहिए कि क्या विश्व की दिशा तय करने का अधिकार केवल कुछ विकसित देशों तक सीमित रहना चाहिए? क्या वैश्विक शासन व्यवस्था को अधिक लोकतांत्रिक, समावेशी और प्रतिनिधिक नहीं बनाया जाना चाहिए? यह समय विकासशील देशों की आवाज को मजबूती देने और वैश्विक दक्षिण (ग्लोबल साउथ) की चिंताओं को केंद्र में लाने का है। जी-7 की प्रासंगिकता पर सबसे बड़ा प्रश्न उसकी प्रभावशीलता को लेकर है। यदि कोई संगठन विश्व की प्रमुख समस्याओं को रोकने या सुलझाने में सक्षम नहीं है, तो उसकी उपयोगिता स्वतः प्रश्नों के घेरे में आ जाती है। रूस-यूक्रेन युद्ध वर्षों से जारी है। पश्चिम एशिया लगातार अशांत बना हुआ है। आतंकवाद और कट्टरता की चुनौतियां बनी हुई हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण पूरी दुनिया अभूतपूर्व संकटों का सामना कर रही है। इसके बावजूद वैश्विक नेतृत्व देने का दावा करने वाले मंचों की उपलब्धियां सीमित दिखाई देती हैं।

हाल के दिनों में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम होने तथा शांति और सहमति की दिशा में बढ़ने की खबरों ने पूरी दुनिया को राहत दी है। लंबे समय से चल रहे तनाव के कारण पश्चिम एशिया में अस्थिरता बढ़ रही थी और इसका प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा था। जैसे ही दोनों देशों के बीच समझौते और संवाद की संभावनाएं मजबूत हुईं, दुनिया भर के वित्तीय बाजारों में सकारात्मक संकेत दिखाई दिए। निवेशकों का विश्वास बढ़ा, ऊर्जा बाजार में स्थिरता के संकेत मिले और तेल की कीमतों में नरमी आई। इससे स्पष्ट है कि शांति केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं होती, बल्कि उसका सीधा संबंध वैश्विक आर्थिक स्थिरता और आम नागरिक के जीवन से भी होता है। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि संवाद और समझौता ही अंततः समाधान का मार्ग था, तो फिर टकराव और तनाव की स्थिति को इतना लंबा क्यों खींचा गया? आखिर राष्ट्रपति ट्रंप को समझौते और सहमति के लिए राजी होने की आवश्यकता क्यों महसूस हुई? क्या इसके पीछे आर्थिक दबाव थे? क्या वैश्विक बाजारों की चिंता थी? क्या अमेरिकी जनता की अपेक्षाएं थीं? या फिर यह स्वीकारोक्ति थी कि युद्ध और दबाव की राजनीति की भी सीमाएं होती हैं? ये ऐसे प्रश्न हैं जिन पर जी-7 जैसे मंचों में गंभीर चर्चा होनी चाहिए।

विश्व समुदाय केवल औपचारिक शांति समझौतों से संतुष्ट नहीं हो सकता। आवश्यकता इस बात की है कि शांति स्थायी, विश्वसनीय और न्यायपूर्ण हो। यदि समझौते केवल राजनीतिक छवि निर्माण, चुनावी लाभ या अस्थायी रणनीतिक उद्देश्यों के लिए किए जाते हैं, तो वे लंबे समय तक टिक नहीं पाते। जी-7 को यह सुनिश्चित करने की दिशा में पहल करनी चाहिए कि विश्व के विभिन्न क्षेत्रों में होने वाले शांति प्रयास वास्तविक हों और उनका उद्देश्य मानवता के हितों की रक्षा करना हो। आज वैश्विक व्यवस्था एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है। दुनिया अब एकध्रुवीय नहीं रही। भारत, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, इंडोनेशिया और अन्य उभरती अर्थव्यवस्थाएं वैश्विक शक्ति संतुलन को नया स्वरूप दे रही हैं। ऐसे समय में जी-7 को भी अपनी कार्यशैली और दृष्टिकोण में परिवर्तन करना होगा। यदि यह मंच केवल अमेरिकी नेतृत्व और पश्चिमी हितों का प्रतिनिधि बना रहेगा, तो इसकी स्वीकार्यता और प्रभावशीलता लगातार घटती जाएगी।

आवश्यकता इस बात की है कि जी-7 स्वयं को अधिक समावेशी बनाए, विकासशील देशों को निर्णय प्रक्रिया में अधिक स्थान दे, आर्थिक न्याय और जलवायु न्याय के प्रश्नों पर ठोस पहल करे तथा वैश्विक शांति को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करे। अमेरिका को भी यह समझना होगा कि नेतृत्व और प्रभुत्व में अंतर होता है। नेतृत्व विश्वास अर्जित करता है, जबकि प्रभुत्व विरोध को जन्म देता है। फ्रांस में हो रहा यह सम्मेलन केवल आर्थिक या राजनीतिक मुद्दों पर चर्चा का मंच नहीं होना चाहिए, बल्कि यह आत्ममंथन का अवसर भी बनना चाहिए। जी-7 को यह विचार करना होगा कि बदलती दुनिया में उसकी भूमिका क्या है और वह किस प्रकार अधिक उपयोगी, प्रभावी और विश्वसनीय बन सकता है। यदि यह संगठन अपने भीतर बढ़ते मतभेदों को दूर कर, समानता और सहयोग की भावना के साथ आगे बढ़ता है, तभी वह विश्व समुदाय की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकेगा। भारत को इस अवसर पर साहसपूर्वक यह संदेश देना चाहिए कि विश्व का भविष्य शक्ति-संतुलन, संवाद, सहयोग और समावेशिता में निहित है। किसी एक देश या समूह की प्रभुत्ववादी सोच से नहीं, बल्कि साझी जिम्मेदारी और साझा विकास की भावना से ही विश्व में स्थायी शांति, आर्थिक स्थिरता और मानव कल्याण का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यही इस समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही जी-7 जैसे मंचों की वास्तविक कसौटी भी।

पंजाब में भी मोदी की डबल इंजन वाली सरकार की चाहत

अशोक भाटिया

पंजाब की राजनीतिक फिजाओं में 'डबल इंजन सरकार' की गूंज तेजी से सुनाई दे रही है। सीमावर्ती राज्य पंजाब में विकास की धीमी रफ्तार, नशाखोरी, कानून-व्यवस्था की चुनौतियां और बढ़ते कर्ज के बीच अब जनता एक नए राजनीतिक विकल्प की ओर देख रही है। केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और पड़ोसी राज्यों में भाजपा सरकारों के काम को देखकर पंजाब के लोगों में भी 'डबल इंजन की सरकार' (यानी केंद्र और राज्य दोनों जगह एक ही पार्टी की सरकार) की चाहत बढ़ रही है। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी समेत कई भाजपा नेताओं का मानना है कि पंजाब की जनता राज्य में बदलाव चाहती है।

गौरतलब है कि पंजाब के पड़ोसी राज्यों, विशेषकर हरियाणा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार लगातार तीसरी बार सत्ता में है। हरियाणा ने पिछले कुछ वर्षों में बुनियादी ढांचे, औद्योगिक विकास और युवाओं के लिए बिना पर्ची-बिना खर्ची (बिना रिश्वत और सिफारिश) के सरकारी नौकरियों के मामले में बड़ी प्रगति की है। पंजाब की जनता अपने पड़ोसी राज्य के इस विकास को करीब से देख रही है और महसूस कर रही है कि केंद्र के साथ तालमेल बिठाकर चलने वाली सरकार राज्य की तस्वीर बदल सकती है। पंजाब लंबे समय से नशीले पदार्थों की तस्करी और कानून-व्यवस्था की गंभीर समस्याओं से जूझ रहा है। सीमा पार से होने वाली ड्रोन गतिविधियों और हथियारों की तस्करी ने राज्य की सुरक्षा को संवेदनशील बना दिया है। भाजपा नेताओं और राज्य के एक बड़े वर्ग का मानना है कि नशा माफिया की रीढ़ तोड़ने और कानून का राज स्थापित करने के लिए केंद्र और राज्य का एक मजबूत सुरक्षा तंत्र (डबल इंजन) बेहद जरूरी है।

आयुष्मान भारत (मुफ्त स्वास्थ्य बीमा), पीएम-किसान सम्मान निधि, और प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी कई कल्याणकारी नीतियां केंद्र सरकार द्वारा चलाई जा रही हैं। पंजाब में राजनीतिक खींचतान के कारण अक्सर इन योजनाओं को जमीनी स्तर पर पूरी तरह लागू करने में बाधाएं आती हैं। जनता का मानना है कि डबल इंजन सरकार होने से बिना किसी राजनीतिक गतिरोध के इन योजनाओं का सीधा लाभ हर गरीब और किसान तक पहुंचेगा।

हाल ही में भारतीय जनता पार्टी ने पंजाब में अपनी रणनीति को पूरी तरह बदल दिया है। पहले शिरोमणि अकाली दल (SAD) के साथ छोटे भाई की भूमिका में रहने वाली भाजपा अब राज्य की सभी ११७ सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। पार्टी पंजाब के शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में अपना आधार मजबूत कर रही है और खुद को पारंपरिक पार्टियों (कांग्रेस, आप और अकाली दल) के मुकाबले एकमात्र स्थिर विकल्प के रूप में पेश कर रही है।

वैसे देखा जाय तो पंजाब में भाजपा की मौजूदगी नई नहीं है। आजादी के बाद से ही पार्टी (और उससे पहले भारतीय जनसंघ) राज्य की राजनीति में सक्रिय रही है। लेकिन लंबे समय तक उसका प्रभाव मुख्यतः शहरी हिंदू वोटरों और व्यापारिक वर्ग तक सीमित रहा।1992 से पहले जब भाजपा अकेले चुनाव लड़ती थी, तब उसका औसत वोट शेयर लगभग 6-7% के बीच रहता था। 1997 में शिरोमणि अकाली दल के साथ गठबंधन के बाद यह बढ़कर लगभग 8% तक पहुंचा। हालांकि गठबंधन ने भाजपा को सत्ता में भागीदारी तो दी, लेकिन उसका राजनीतिक विस्तार सीमित ही रहा। अकाली दल 94 सीटों पर चुनाव लड़ता था जबकि भाजपा के हिस्से केवल 23 सीटें आती थीं। भाजपा के कई नेताओं का मानना था कि इस जूनियर पार्टनर मॉडल ने पार्टी को पंजाब में स्वतंत्र पहचान बनाने से रोक दिया।

2020 में कृषि कानूनों के खिलाफ हुए व्यापक आंदोलन ने पंजाब की राजनीति को पूरी तरह बदल दिया। किसानों के तीखे विरोध के बीच अकाली दल ने एनडीए से अलग होने का फैसला लिया। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, यही वह मोड़ था जिसने भाजपा को पंजाब में नई शुरूआत का अवसर दिया। गठबंधन टूटने के बाद भाजपा अब अपने संगठनात्मक विस्तार और नए सामाजिक समीकरणों पर खुलकर काम कर पा रही है।इसी वर्ष मार्च में अमित शाह ने मोगा की बदलाव रैली में अकेले चुनाव लड़ने का संकेत देकर स्पष्ट कर दिया कि भाजपा अब पंजाब में सहायक दल नहीं, बल्कि मुख्य शक्ति बनने की रणनीति पर काम कर रही है।

भाजपा की रणनीति केवल संगठन विस्तार तक सीमित नहीं है। पार्टी यह भी मान रही है कि पंजाब की मौजूदा राजनीति में एक राजनीतिक खालीपन बन रहा है। आम आदमी पार्टी 2022 में भारी बहुमत के साथ सत्ता में आई थी, लेकिन अब उसे आंतरिक असंतोष और नेतृत्व संबंधी सवालों का सामना करना पड़ रहा है। राज्यसभा सांसदों के इस्तीफे और मुख्यमंत्री भगवंत मान पर लगे व्यक्तिगत आरोपों ने विपक्ष को सरकार पर हमला करने का अवसर दिया है। हालांकि AAP अब भी पंजाब में एक मजबूत शक्ति है, लेकिन भाजपा यह मानती है कि शहरी वर्ग और गैर-पारंपरिक मतदाता धीरे-धीरे विकल्प तलाश सकते हैं।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस भी पंजाब में लंबे समय से आंतरिक खींचतान से जूझ रही है। पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा दलित प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाना और राहुल गांधी का राज्य इकाई को टीम की तरह काम करने की सलाह देना इस बात का संकेत है कि पार्टी के भीतर नेतृत्व और संगठन को लेकर असहमति बनी हुई है।

कभी पंजाब की राजनीति का सबसे प्रभावशाली क्षेत्रीय दल माना जाने वाला अकाली दल भी अब अपने सबसे कठिन दौर से गुजर रहा है। कृषि कानूनों के मुद्दे और लगातार चुनावी झटकों ने उसके जनाधार को कमजोर किया है। भाजपा को लगता है कि अकाली दल के कमजोर होने से जो राजनीतिक स्पेस खाली हुआ है, उसे वह भर सकती है।

पंजाब में भाजपा की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि राज्य की राजनीति परंपरागत रूप से सिख-पंथक और क्षेत्रीय मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। इसलिए पार्टी अब सोशल इंजीनियरिंग मॉडल पर काम कर रही है। राज्य में अनुसूचित जाति (SC) आबादी लगभग 32% है, जो देश में सबसे अधिक अनुपातों में से एक है। इसके अलावा 25-30% आबादी ओबीसी वर्ग से जुड़ी मानी जाती है।

भाजपा अब इन वर्गों में अपनी पैठ मजबूत करने की कोशिश कर रही है। साथ ही पार्टी सिख समुदाय के बीच केंद्र सरकार की पहलों– जैसे करतारपुर कॉरिडोर और साहिबजादों की शहादत को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान–को प्रमुखता से प्रचारित कर रही है। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि भाजपा पंजाब में हिंदू बनाम सिख की पारंपरिक रेखा से आगे जाकर नया सामाजिक गठबंधन बनाना चाहती है।भाजपा की रणनीति इस विचार पर आधारित दिखती है कि यदि वह लगातार नए राज्यों में अपनी मौजूदगी स्थापित करती रही, तो इससे मनोवैज्ञानिक विस्तार का प्रभाव पैदा होगा।

भारतीय जनता पार्टी की केंद्र में सरकार है और पंजाब में एक मजबूत धारणा है कि भाजपा पंजाब की राजधानी चंडीगढ़ को छिन लेगी। बीते साल चंडीगढ़ को केंद्र सरकार ने अनुच्छेद 240 के दायरे में लाने के लिए एक विधेयक पेश करने का प्रस्ताव रखा था। इस विधेयक के पास होने के बाद चंडीगढ़ में प्रशासक के रूप में लेफ्टिनेंट गवर्नर यानी एलजी की नियुक्ति करने का प्लान था। अब तक पंजाब के गवर्नर ही चंडीगढ़ के प्रशासक के तौर पर काम करते थे। पंजाब के नेताओं ने इसका जमकर विरोध किया था और बाद में सरकार ने अपने फैसले पर यू टर्न भी ले लिया था। इस मुद्दे के कारण भी भाजपा बैकफुट पर है।

पंजाब की आबादी का एक बड़ा हिस्सा सिख है। भारतीय जनता पार्टी की छवि एक हिंदू पार्टी के रूप में बन गई है। पश्चिम बंगाल में हुए चुनाव में पार्टी को इस छवि का फायदा भी मिला। उत्तर भारत के हिंदी पट्टी के ज्यादातर राज्यों में भाजपा अपनी हिंदू छवि का फायदा उठाकर चुनावी सफलता का स्वाद चखती है लेकिन पंजाब में यही स्वाद कड़वा हो जाता है। भारतीय जनता पार्टी की हिंदू छवि और शिरोमणि अकाली दल की सिखों की पंथक राजनीति से इस गठबंधन को पंजाब में कई बार सफलता मिली है। पंजाब यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ में स्थित एक ऐतिहासिक यूनिवर्सिटी है जिसकी जड़े अविभाजित लाहौर में हैं। बंटवारे के बाद यह यूनिवर्सिटी चंडीगढ़ में स्थित है और केंद्र की भाजपा सरकार कई बार इस यूनिवर्सिटी को केंद्रीय यूनिवर्सिटी बनाने की कोशिश कर चुकी है। हालांकि, हर बार पंजाब के युवा और धार्मिक-सामाजिक ग्रुप सरकार के इस फैसले का विरोध करते हैं और सरकार को यू-टर्न लेना पड़ता है। पिछले साल ही इस यूनिवर्सिटी में सीनेट चुनाव ना करवाने के फैसले पर बवाल हुआ था। पंजाब के कई नेता इसी यूनिवर्सिटी से पड़े हैं और इस यूनिवर्सिटी पर केंद्र की नजर बताते हैं। ऐसे में भाजपा के लिए यह मुद्दा भी काफी मुश्किल भरा है। इसके अलावा पंजाब के पानी का मुद्दा भी भाजपा के विरोध में काम करता है। लोगों में डर है की भाजपा पंजाब के पानी को अन्य राज्यों को दे देगी। इन तमाम मुद्दों के बावजूद भारतीय जनता पार्टी अपनी क्षमताओं के दम पर पंजाब की राजनीति में पैर जमाने की कोशिश कर रही है और अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में भाजपा सरकार बनाने का दावा कर रही है। दूसरी पार्टी के कई नेताओं को भाजपा ने अपने पाले में कर लिया है। इसके अलावा पार्टी ने कई सिख नेताओं को अपने पक्ष में किया है। पार्टी लगातार सिख धर्म की समर्थक दिखाने की कोशिश कर रही है। बंगाल जीत के बाद भाजपा को पंजाब से बहुत ज्यादा उम्मीदें बना रखी हैं।

तृणमूल कांग्रेस के बागी सांसदों का NCPI में विलय

- महेन्द्र तिवारी

भारतीय राजनीति के इतिहास में कई ऐसे घटनाक्रम दर्ज हैं जिन्होंने रातोंरात सत्ता के समीकरणों को बदलकर रख दिया है। इसी कड़ी में पश्चिम बंगाल के सत्ताधारी दल तृणमूल कांग्रेस से 20 सांसदों का अलग होकर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल होना एक ऐसा राजनीतिक भूचाल है जिसकी गूंज पूरे देश में सुनाई दे रही है। यह घटना महज कुछ नेताओं का पाला बदलना नहीं है बल्कि एक सुस्थापित राजनीतिक दल के भीतर उपजे गहरे असंतोष और महत्वाकांक्षाओं के टकराव का परिणाम है। लंबे समय तक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बेहद करीब रहीं काकोली घोष दस्तीदार के नेतृत्व में हुआ यह विभाजन भारतीय लोकतंत्र की उस गतिशीलता को दर्शाता है जहां कोई भी संगठन पूरी तरह अजेय नहीं होता। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद से ही भारतीय राजनीति में पाला बदलने और नई विचारधाराओं के साथ चलने की परंपरा रही है लेकिन जब इतनी बड़ी संख्या में सांसद एक साथ अपनी पुरानी वफादारी छोड़ते हैं तो इसके मायने बहुत गहरे होते हैं। यह घटना इस बात का सटीक उदाहरण है कि कैसे राजनीतिक असंतोष धीरे धीरे पककर एक बड़े विस्फोट का रूप ले लेता है।

इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम की रूपरेखा बहुत ही रणनीतिक तरीके से तैयार की गई। 31 मई 2026 को काकोली घोष दस्तीदार को नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। यह दल कोई बहुत पुरानी या स्थापित ताकत नहीं थी बल्कि इसे 2023 में ही पंजीकृत कराया गया था। अपनी स्थापना के बाद से यह संगठन राजनीतिक परिदृश्य के हाशिये पर ही था लेकिन 20 सांसदों के एकमुश्त विलय ने इसे अचानक राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में ला खड़ा किया है। इसके बाद 14 जून 2026 को इस विलय और नए नेतृत्व की औपचारिक जानकारी भारत के निर्वाचन आयोग को सौंप दी गई। निर्वाचन आयोग को समय पर सूचना देना इस बात का प्रमाण है कि बागी गुट कानूनी और संवैधानिक प्रक्रियाओं का पूरी तरह पालन करते हुए अपने कदम आगे बढ़ा रहा है ताकि उन पर कोई वैधानिक संकट ना आए।

इस विभाजन का सबसे दूरगामी प्रभाव राष्ट्रीय स्तर पर गठबंधन की राजनीति पर पड़ने वाला है। नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया में शामिल हुए इन 20 सांसदों ने स्पष्ट रूप से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को अपना समर्थन देने की घोषणा की है। संसद के भीतर 20 सांसदों का एक झटके में सत्तारूढ़ गठबंधन के पक्ष में चले जाना विपक्ष की एकजुटता के लिए एक बड़ा आघात है। इससे न केवल संसद में संख्या बल का समीकरण पूरी तरह बदल गया है बल्कि विपक्षी दलों के उस मनोबल को भी गहरी ठेस पहुंची है जो वे आगामी चुनावों के लिए तैयार कर रहे थे। पश्चिम बंगाल जो कि हमेशा से गैर कांग्रेसी और गैर सत्ताधारी गठबंधनों का एक मजबूत गढ़ रहा है वहां से उठी यह बगावत अन्य राज्यों के क्षेत्रीय दलों के लिए भी खतरे की घंटी है।

संविधान के जानकारों और राजनीतिक विश्लेषकों की नजर अब दसवीं अनुसूची यानी दल बदल विरोधी कानून पर टिकी है। भारत में निर्वाचित प्रतिनिधियों को मनमर्जी से दल बदलने से रोकने के लिए कड़े नियम बनाए गए हैं। लेकिन जब किसी संगठन के निर्वाचित सदस्यों का एक बड़ा हिस्सा टूटकर अलग होता है और वह आवश्यक वैधानिक अनुपात को पूरा करता है तो सदस्यों की सदस्यता रद्द होने से बच जाती है। यह देखना बहुत दिलचस्प होगा कि निर्वाचन आयोग और संसदीय समितियां इस पूरे मामले का मूल्यांकन किस तरह करती हैं। यदि ये 20 सांसद अपनी सदस्यता बचाने में सफल रहते हैं तो यह काकोली घोष दस्तीदार की एक बहुत बड़ी वैधानिक और रणनीतिक जीत मानी जाएगी। दल बदल कानून का मूल उद्देश्य राजनीतिक अस्थिरता को रोकना था लेकिन समय समय पर नेताओं ने इसके भीतर मौजूद कानूनी रास्तों का उपयोग अपने हित में किया है। अब जब मामला निर्वाचन आयोग के विचाराधीन है तो सभी कानूनी पहलुओं की बहुत ही बारीकी से जांच की जाएगी। इस निर्णय का प्रभाव केवल इन सांसदों के भविष्य पर ही नहीं बल्कि भारत की पूरी लोकतांत्रिक व्यवस्था और भविष्य में होने वाले ऐसे हर विभाजन पर नजीर के रूप में काम करेगा।

तृणमूल कांग्रेस के लिए यह स्थिति गहन आत्मनिरीक्षण की है। दशकों के लंबे और कड़े संघर्ष के बाद जिस दल ने पश्चिम बंगाल में अपना अभेद्य किला बनाया था उस किले में इतनी बड़ी सेंध लगना नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठाता है। दल को अब न केवल अपने बचे हुए नेताओं और कार्यकर्ताओं का भरोसा जीतना होगा बल्कि जमीन पर जनता के बीच भी यह संदेश देना होगा कि यह टूट उनके जनाधार को कमजोर नहीं कर सकती। राज्य का राजनीतिक इतिहास गवाह है कि यहां की जनता ने हमेशा सशक्त और स्पष्ट विचारधारा वाले नेतृत्व को पसंद किया है। वामपंथी दलों के लंबे शासनकाल को समाप्त करके जब ममता बनर्जी सत्ता में आईं थीं तब जनता ने बदलाव के लिए मतदान किया था। अब यही बदलाव की मांग अगर उनके अपने ही संगठन के भीतर से उठ रही है तो इसे हल्के में नहीं लिया जा सकता। दूसरी ओर नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया के लिए सबसे बड़ी चुनौती इन सभी 20 सांसदों को एकजुट रखना और राज्य में अपने लिए एक नया और मजबूत मतदाता आधार तैयार करना होगा। पश्चिम बंगाल की जनता जो राजनीतिक रूप से अत्यधिक जागरूक मानी जाती है वह इस पाला बदल को वैचारिक क्रांति मानती है या अवसरवादिता यह आने वाले चुनाव परिणामों में ही पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगा। इसके अतिरिक्त यह घटना क्षेत्रीय दलों की उस कमजोरी को भी उजागर करती है जहां संगठन का पूरा ढांचा किसी एक व्यक्ति के इर्द गिर्द घूमता है। जब दूसरी पंक्ति के नेताओं को आगे बढ़ने और अपनी बात रखने का उचित मंच नहीं मिलता तो इस तरह के विद्रोह जन्म लेते हैं। काकोली घोष दस्तीदार का कदम अन्य राज्यों में ऐसे नेताओं को भी प्रेरित कर सकता है जो अपने संगठनों में खुद को हाशिए पर महसूस कर रहे हैं। राष्ट्रीय दलों के लिए यह एक बहुत बड़ा अवसर होता है जब वे क्षेत्रीय दलों के असंतुष्ट नेताओं को अपने साथ जोड़कर अपने राजनीतिक आधार का विस्तार करते हैं। नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी ऑफ इंडिया को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में शामिल करने के पीछे भी यही रणनीति काम कर रही है। इससे सत्ताधारी गठबंधन को उस क्षेत्र में भी अपनी जड़ें मजबूत करने का मौका मिलेगा जहां वह अब तक कमजोर माना जाता रहा है। अंततः यह घटनाक्रम केवल एक राज्य तक सीमित रहने वाला नहीं है। यह पूरे देश के राजनीतिक विचारकों को यह सोचने पर मजबूर करता है कि सत्ता के केंद्रीकरण और आंतरिक लोकतंत्र की कमी के क्या परिणाम हो सकते हैं। 2026 का यह वर्ष भारतीय राजनीति में नए गठबंधनों पुराने रिश्तों के टूटने और महत्वाकांक्षाओं की नई उड़ान के लिए याद किया जाएगा। काकोली घोष दस्तीदार के रूप में उभरा नया नेतृत्व और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को मिला उनका समर्थन भविष्य की राजनीति की एक ऐसी पटकथा लिख रहा है जिसका हर पन्ना अनिश्चितताओं से भरा है।

बलात्कारियों का सम्मान करने वाला 'अद्भुत समाज'

सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश और भारतीय प्रेस परिषद के तत्कालीन अध्यक्ष जस्टिस मार्कंडेय काटजू ने दिसंबर 2012 में दिल्ली में एक सेमिनार के दौरान कहा था कि ‟मैं कह सकता हूं कि नब्बे प्रतिशत भारतीय बेवकूफ होते हैं। उनके सिर में दिमाग नहीं होता। उन्हें आसानी से बेवकूफ बनाया जा सकता है, उन्हें धर्म के नाम पर शरारती तत्वों द्वारा आसानी से गुमराह किया जा सकता है‟। परन्तु अपने इस कथन के 12 वर्षों बाद यानी 2024 में जस्टिस काटजू ने मूर्खों के प्रतिशत में और इजाफा करते हुये कहा कि अब वे 95 प्रतिशत भारतीयों को मूर्ख कहते हैं क्योंकि भारत अब ‟वास्तविक हिंदू राज्य बन गया है। जस्टिस काटजू के इस कथन को परखने के लिये यदि हम धर्म व अध्यात्म की ध्वजा बुलंद करने वालों की हक़ीकत को देखें तो यह हमें केवल मूर्ख या महामूर्ख ही नहीं लगते बल्कि अत्यंत निम्न स्तरीय सोच रखने वाले तथा सनातन धर्म, भारतीय समाज व पूरे देश को बदनाम करने वाले भी नजर आते हैं। मिसाल के तौर पर बलात्कारियों का सम्मान होते,उनका महिमामंडन होते व उनकी शोभा यात्रा निकलते कहीं नहीं देखा गया होगा। यह अद्भुत दृश्य केवल विश्वगुरु भारत के ही 'अद्भुत समाज' में देखने को मिलेगा।

आज देश में कई स्वयंभू साधू संत बलात्कार व हत्या जैसे जुर्म में जेल में सजायें भुगतते देखे जा सकते हैं। देश की अदालतों ने गवाहों के बयान व साक्ष्यों के आधार पर ऐसे अलग अलग बलात्कारी बाबाओं को सजा सुनाने का साहस कर कानून की रक्षा करने का काम क्या है। परन्तु आश्चर्य है कि ऐसे धमार्चार्यों व स्वयंभू अध्यात्मवादियों की काली करतूतें जानने के बावजूद उनके भक्तजनों में उनके प्रति अभी भी मोह कम नहीं हुआ है। ऐसे लोग यही कहते नजर आएंगे कि 'हमारे गुरु जी को गलत फंसाया गया है।' मर्द भक्तों की तो छोड़िये महिलाएं भी ऐसे बलात्कारी बाबाओं की भक्ति व उनके महिमामंडन में सबसे आगे नजर आती हैं। और अब तो संभवतः ऐसे बलात्कारी बाबाओं के महिमामंडन से ही प्रेरणा लेकर धार्मिकता का चोला पहने या धार्मिक संगठनों एवं धर्म के नाम पर अन्य रसूखदार बलात्कारियों की भी 'शोभा यात्रा ' निकाली जाने लगी है। बलात्कार की शिकार लड़की का धर्म देखकर बलात्कारियों की पैरवी की जाने लगी है। क्या ऐसा कर अपराधियों को प्रोत्साहित नहीं किया जा रहा है? 3 मार्च 2002 की गुजरात अहमदाबाद के नजदीक रणधीकपुर गाँव में की वह भयानक घटना कौन भूल सकता है जिसमें मुस्लिम समाज की 21 वर्षीय युवती बिल्क़ीस बानो जोकि उस समय 5 महीने की गर्भवती भी थीं के साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था? बिलक़ीस बानो के परिवार के 14 सदस्यों की हत्या भी कर दी गई थी जिसमें बिलकीस की 3 वर्ष की मासूम बेटी भी शामिल थी । इस मामले में मुंबई में सीबीआई की विशेष अदालत ने 11 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। बॉम्बे हाईकोर्ट ने हत्यारों बलात्कारियों की दोषसिद्धि को बरकरार रखा था । परन्तु गुजरात सरकार ने अपनी क्षमा नीति के तहत 11 दोषियों की रिहाई की मंजूरी दे दी और 15 अगस्त 2022 को ही दोषियों को रिहा कर दिया। अफसोस की बात यह कि इनकी रिहाई के बाद दोषियों का जेल के बाहर ही इनके समर्थकों द्वारा मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया ।जगह जगह मिठाई बांटी गयी व उनके जयकारे लगाकर उनका स्वागत किया गया । गुजरात के दाहोद ज़िले में तो वहां के लोगों ने दोषियों की 'शोभा यात्रा ' निकाली और बलात्कारियों हत्यारों का खुला समर्थन किया । आखिरकार 7 जनवरी 2024 को सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के दोषियों की समय पूर्व रिहाई के फैसले को पलट दिया और उन्हें जेल अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया । गोया हत्यारों बलात्कारियों के साथ हमदर्दी जताने के चलते सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष गुजरात सरकार को नीचा देखना पड़ा।

इसी तरह कश्मीर के कठुआ में जनवरी 2018 में एक 8 वर्षीय मुस्लिम लड़की आसिफा बानो के साथ एक मंदिर के कमरे में पुजारी व उसके कई साथियों द्वारा सामूहिक बलात्कार किया गया था और उसकी हत्या कर लाश जंगलों में फेंक दी गयी थी। उस समय भी इन अपराधियों के समर्थन में हिंदूवादियों द्वारा तिरंगा यात्रा निकाली गई थी और भाजपा के दो मंत्रियों ने आरोपियों का समर्थन किया था और बलात्कारियों के समर्थन में होने वाले धरना प्रदर्शनों व रैलियों में हिस्सा लिया था जिससे उस समय बड़ा राजनैतिक बवाल खड़ा हुआ था। इस घटना ने पूरे देश को भावुक कर दिया था। आम आदमी से लेकर बॉलीवुड स्टार तक बच्ची को इंसाफ दिलाने के लिए सामने आए थे। बाद में अदालत ने फैसला सुनाते हुये इन्हीं 5 आरोपियों को दोषी ठहराते हुये जेल भेजा था। इसी तरह कई मामलों में जब किसी दलित लड़की के साथ किसी कथित उच्च जाति के लोगों द्वारा बलात्कार किया गया तो बलात्कारियों के पक्ष में उसके 'कथित 'उच्च समाज के लोग खड़े देखे गये। 14 सितंबर 2020 को हाथरस में एक दलित युवती के साथ हुआ सामूहिक दुष्कर्म एवं हत्याकाण्ड इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। उस समय यह घटना भी एक अत्यंत संवेदनशील और देशव्यापी चर्चा का विषय बन गयी थी। और अब यही दुष्प्रवृति धर्म जाति से मुक्त होकर शायद आम बन चुकी है। गाजियाबाद के मुरादनगर में हिंदू युवा वाहिनी के निवर्तमान नगर अध्यक्ष सुशील प्रजापति जिसपर अगस्त 2025 में एक कानून की पढ़ाई पढ़ने वाली हिन्दू छात्रा के साथ रेप का आरोप था,जब लगभग 9 महीने जेल में रहने के बाद 17 मई 2026 को जमानत पर छूटा तो जेल से छूटते ही उसके समर्थकों ने बाकायदा उसकी शान में गाड़ियों से विजय जुलूस निकाला। और उसके समर्थन में नरेबाजियाँ कीं। समर्थकों ने उसे माला पहनाई और फूल बरसाए। उसे कंधे पर बैठा लिया गया। उसके समर्थक ‟वीर‟ साइन दिखाते और घटनाक्रम को मोबाइल में रिकॉर्ड करते नजर आए। बाद में इस शर्मनाक घटना की सर्वस्व निंदा होने पर पुलिस ने जुलूस निकालने पर आरोपी और उसके समर्थकों पर मामला दर्ज किया। इस घटना ने भी उत्तर प्रदेश में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर बड़ा राजनीतिक सवाल खड़ा कर दिया। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर राज्य में भाजपा का सहयोगी सत्तासीन संगठन हिंदू युवा वाहिनी की नैतिकता और बहनों की सुरक्षा‟ के दावे पर सवाल उठे थे। ऐसे दुर्भाग्यपूर्ण वातावरण में पूरे देश के लिये खासकर देश की मां बहनों के लिये यह सोचना अनिवार्य हो गया है कि हत्यारों व बलात्कारियों के बहिष्कार करने के बजाये आखिर इन का सम्मान करने वाला हम कैसा 'अद्भुत समाज' तैयार कर रहे हैं।

भिवंडी मनपा प्रभाग समिति 3 की सभापति रजिता कोंडा के कार्यालय का भव्य उद्घाटन, संभाला पदभार

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा के प्रभाग समिति क्रमांक 3 की नवनिर्वाचित सभापति रजिता मोहन कोंडा के कार्यालय का भव्य उद्घाटन समारोह उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यालय का उद्घाटन भिवंडी मनपा के महापौर नारायण चौधरी के हाथों विधिवत पूजा-अर्चना एवं रिबन काटकर किया गया। बतादें कि कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ हुई। इसके पश्चात महापौर नारायण चौधरी ने रिबन काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया। उद्घाटन के बाद सभापति रजिता मोहन कोंडा ने विधिवत अपना पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विधायक महेश चौघुले, भाजपा गटनेता संतोष शेट्टी, भाजपा जिलाध्यक्ष रवि सावंत, नगरसेवक राजू चौघुले, नगरसेविका गीता विठोबा नाईक, प्रभाग समिति क्रमांक 5 के नवनिर्वाचित सभापति वैभव भोईर, ममता परमानी, सत्वशिला जाधव सहित भाजपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं शुभचिंतक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी मान्यवरों ने रजिता मोहन कोंडा को नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। अपने संबोधन में रजिता मोहन कोंडा ने नागरिकों की समस्याओं के त्वरित समाधान तथा क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ कार्य करने का विश्वास व्यक्त किया। उद्घाटन समारोह के दौरान समर्थकों और कार्यकताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला तथा नवनिर्वाचित सभापति का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

भाजपा दक्षिण मध्य मुंबई जिला के सचिव बने जयप्रकाश अग्रवाल

मुंबई (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी ने संगठन को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दक्षिण मध्य मुंबई जिला के सचिव पद पर जयप्रकाश अग्रवाल को नियुक्त किया है। अग्रवाल की नियुक्ति भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के आशीर्वाद के साथ-साथ मुंबई अध्यक्ष अमित साटम के मार्गदर्शन और दक्षिण मध्य मुंबई जिले के तेजतर्रार जिला अध्यक्ष नीरज उबारे के विश्वास और नेतृत्व में दक्षिण मध्य मुंबई जिला सचिव के रूप में की गई है। इस अवसर पर प्रमुख रूप से श्रीनिवास शुक्ला , नगरसेवक बबलू पांचाल , महासचिव संदीप धाम , उपाध्यक्ष कौशिक कनाडिया और आनंद भंडारे उपस्थित थे। सचिव पद पर हुई अपनी नियुक्ति पर जयप्रकाश अग्रवाल ने कहा कि मैं लगातार लोगों का विश्वास जीतने की कोशिश करूंगा। जो जिम्मेदारी मुझे मिली है, उससे मेरा विश्वास बहुत बढ़ गया है, मैं पार्टी के लिए दिन-रात हमेशा तैयार रहूंगा। कार्यकताओं के प्यार और नेताओं के आशीर्वाद के साथ, मैं दिल और दिमाग से संगठन को मजबूत करने का नया संकल्प लूंगा। पद सिर्फ. सम्मान नहीं है, यह सेवा का एक तरीका है। मैं ज़िंदगी भर भारतीय जनता पार्टी के विचारों का समर्थन करूँगा।

डॉ योगेश दुबे को मिली मुंबई भाजपा प्रवक्ता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। राष्ट्रीय युवा पुरस्कार से सम्मानित तथा कुशल वक्ता डॉ योगेश दुबे को मुंबई भाजपा का प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। मुंबई अध्यक्ष अमित साटम ने उन्हें यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देते हुए विश्वास व्यक्त किया है कि डॉ योगेश दुबे पार्टी की विचारधारा और पक्ष को प्रभावशाली तरीके से जनता तक पहुंचाने का काम करेंगे। डॉ योगेश दुबे के पिता स्वर्गीय घनश्याम दुबे महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य और लोकप्रिय उत्तर भारतीय नेताओं में शामिल रहे हैं। डॉ योगेश दुबे का साहित्य गंगा का संपादक होने के साथ-साथ दो बार राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित हो चुके हैं। अनेक प्रमुख संगठनों से जुड़े होने के साथ-साथ रेलवे और दिव्यांगों से जुड़ी बुनियादी समस्याओं के निराकरण के लिए हमेशा प्रयासरत रहे हैं। डॉ योगेश दुबे की कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं, जिसमें प्रवासियों को लेकर लिखी गई पुस्तक परिंदा काफी चर्चित रही। मुंबई प्रवक्ता बनाए जाने पर उन्होंने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और मुंबई भाजपा अध्यक्ष अमित साटम का आभार मानते हुए कहा कि वे दी गई जिम्मेदारी का निर्वहन पूरे मनोयोग और समर्पित भावना के साथ करेंगे।

2027 में टोरेंट पावर की फ्रैंचाइजी समाप्त करने व टाटा पावर, अडानी पावर की मांग, मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

टोरंट पावर कंपनी का भिवंडी में हो रहा विरोध

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडीकर न्याय मंच के प्रतिनिधिमंडल ने उप-विभागीय अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नाम ज्ञापन सौंपकर वर्ष 2027 में समाप्त होने वाली महावितरण की टोरेंट पावर फ्रैंचाइजी व्यवस्था को खत्म करने तथा किसी अन्य निजी विद्युत वितरण कंपनी को जिम्मेदारी सौंपने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि वर्ष 2007 से टोरेंट पावर भिवंडी शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र में महावितरण की फ्रैंचाइजी के रूप में कार्य कर रही है, जिसका दूसरा कार्यकाल जनवरी 2027 में समाप्त हो रहा है। मंच का आरोप है कि अत्यधिक बिजली दरों, कथित फास्ट मीटर, झूठे विजिलेंस मामलों तथा कंपनी के मनमाने रवैये से उद्योग और आम उपभोक्ता दोनों परेशान हैं। भिवंडीकर न्याय मंच के अध्यक्ष शादाब उस्मानी ने कहा कि पावरलूम उद्योग बिजली संबंधी समस्याओं के कारण गंभीर संकट से गुजर रहा है और अनेक उद्यमियों को कारोबार बंद करना पड़ा है। उन्होंने बताया कि यह अभियान केवल शुरूआत है और आने वाले समय में जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों तथा नागरिकों को साथ लेकर व्यापक जनजागरण किया जाएगा। मंच ने राज्य सरकार से मांग की है कि फ्रैंचाइजी के नए टेंडर के बजाय टाटा पावर, अडानी पावर सहित अन्य इच्छुक कंपनियों को प्रतिस्पर्धात्मक आधार पर आमंत्रित किया जाए, ताकि भिवंडी के नागरिकों को बेहतर और सस्ती बिजली सेवा मिल सके। इस अवसर पर एडवोकेट अनिल राठौड़, राम लहारे, एड. राकेश पाल, हमजा सिद्दीकी, सुरेश तौटी, अब्दुल्लाह संजरी, सुधाकर आँचन, शादाब खान, फरीद खान एवं हमीद शेख उपस्थित थे।कैप्शनः भिवंडीकर न्याय मंच ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपकर 2027 में टोरेंट पावर फ्रैंचाइजी समाप्त करने और नई बिजली वितरण व्यवस्था लागू करने की मांग की।

महाराष्ट्र विधान परिषद चुनावः महायुति ने 6 सीटें निर्विरोध जीतीं, 11 सीटों पर कल मतदान होगा

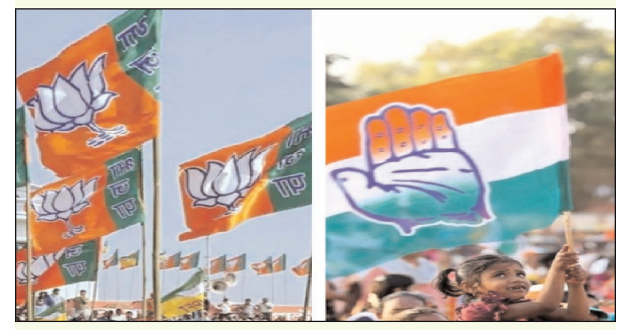

मुंबई। महाराष्ट्र विधान परिषद की स्थानीय प्राधिकरण निर्वाचन क्षेत्रों की 17 सीटों में से छह पर निर्विरोध जीत हासिल करके सत्ताधारी महायुति गठबंधन ने अपनी राजनीतिक ताकत का प्रदर्शन किया है, जबकि बाकी 11 सीटों के लिए मतदान गुरुवार (19 जून) को होना है। चुनाव आयोग के कार्यक्रम के अनुसार, वोटों की गिनती 22 जून को होगी।

बिना किसी मुकाबले के जीती गई छह सीटों में से भारतीय जनता पार्टी (BJP), शिवसेना और नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी (NCP) ने दो-दो सीटें जीतीं। महायुति के सीट-शेयरिंग समझौते के तहत, BJP ने 11 सीटों पर, शिवसेना ने चार सीटों पर और NCP ने दो सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे थे।

वसार गांव के शेलार चौक में नई बिजली केबल से मिली राहत : महेश गायकवाड़

कल्याण (उत्तरशक्ति)। वसार गांव के शेलार चौक क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से बार-बार बिजली आपूर्ति बाधित होने की समस्या से नागरिक परेशान थे। इस गंभीर समस्या को ध्यान में रखते हुए महेश गायकवाड़ ने स्थानीय नागरिकों की मांग पर नई बिजली केबल प्रणाली का काम पूरा करने के लिए अथक प्रयास किया , जिसका आज महेश गायकवाड़ के हांथो उद्घाटन किया गया। गुरुनाथ भोईर के माध्यम से इस कार्य को अमल में लाया गया, जिससे अब क्षेत्र में बिजली कटौती की समस्या में काफी हद तक सुधार होने की उम्मीद है। नई केबल व्यवस्था के चलते नागरिकों को अधिक स्थिर और सुचारू बिजली आपूर्ति मिल सकेगी।

स्थानीय नागरिकों ने इस कार्य के लिए संबंधित सभी लोगों का आभार व्यक्त किया है। साथ ही, नागरिकों की मूलभूत सुविधाओं को प्राथमिकता देते हुए भविष्य में भी ऐसे विकास कार्यों को जारी रखने की अपेक्षा जताई गई है।

नशे को कहे ना, जीवन को कहे हां : सीईओ मनोज रानडे

पालघर में नशामुक्त भारत अभियान की शुरूआत

पालघर (उत्तरशक्ति / अजीत सिंह)। जिला परिषद पालघर के नेतृत्व में समाज कल्याण विभाग एवं महाराष्ट्र राज्य नशाबंदी मंडल के संयुक्त तत्वावधान में नशामुक्त भारत अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने नशे और मादक पदार्थों से दूर रहने की शपथ ली।

कार्यक्रम में जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों को मादक पदार्थ विरोधी शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि युवाओं में नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता पैदा करना समय की आवश्यकता है। युवाओं को व्यसनमुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हुए उन्होंने कहा कि समाज को नशे के चंगुल से मुक्त कराने में युवाओं की सकारात्मक

भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। रानडे ने युवाओं से आह्वान किया कि वे नशे जैसी प्रवृत्तियों से दूर रहकर स्वस्थ, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनें तथा समाज में नशामुक्ति का संदेश फैलाएं। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र पाटील, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य प्रशासन) इजाज अहमद शेख, जिला समाज कल्याण अधिकारी डॉ. प्रकाश हसनालकर, महाराष्ट्र राज्य नशाबंदी मंडल के समन्वयक मिलिंद पाटील सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. प्रकाश हसनालकर ने बताया कि नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत पालघर जिले में स्कूलों, महाविद्यालयों, छात्रावासों, महिला बचत समूहों, आंगनवाड़ी सेविकाओं तथा समाज के विभिन्न वर्गों के माध्यम से मादक पदार्थ विरोधी शपथ कार्यक्रम, जनजागरूकता अभियान, चित्रकला प्रतियोगिताएं और रैलियों का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम में जिला परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों के लिए 10 लाख कॉपियों का संकल्प, शिवसेना का सराहनीय उपक्रम

नवीन गवली के कार्यालय में विद्यार्थियों को बुक वितरण

कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिवसेना के सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे ने कल्याण लोकसभा क्षेत्र के विद्यार्थियों की शैक्षणिक प्रगति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दस लाख कॉपियों के वितरण का संकल्प लिया है। इसी पहल के अंतर्गत शिवसेना के नगरसेवक नवीन गवली के कार्यालय में सैकड़ों विद्यार्थियों को कॉपियों का वितरण किया गया।

इस अवसर पर केडीएमसी के प्रभाग क्रमांक 18 के जरूरतमंद परिवारों के विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। नए शैक्षणिक वर्ष की पृष्ठभूमि में सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे के नेतृत्व में चलाए जा रहे इस उपक्रम से लोकसभा क्षेत्र के हजारों विद्यार्थियों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

कार्यक्रम में शिवसेना के शहर प्रमुख एवं नगरसेवक निलेश शिंदे, नगरसेवक नवीन गवली, शाखा प्रमुख राजू उजगरे सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने इस पहल को विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया।

मुंबई पोर्ट अथॉरिटी द्वारा स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया सम्मानित

मुंबई। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को मुंबई पोर्ट अथॉरिटी द्वारा वित्त वर्ष 2025-26 के लिए ऑटोमोबाइलः टॉप एक्सपोर्टर सम्मान से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि ग्रुप के उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन और भारत की वैश्विक ऑटोमोबाइल हब के रूप में भूमिका को मजबूत करने में योगदान को मान्यता देती है। SAVWIPL ने वित्त वर्ष 2025-26 में मुंबई पोर्ट के माध्यम से 40,000 से अधिक वाहनों का निर्यात कर एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया। यह प्रतिष्ठित पुरस्कार बिजनेस कॉन्क्लेव विद पार्टनर्स में प्रदान किया गया। ग्रुप का मेक इन इंडिया, फॉर इंडिया एंड द वर्ल्ड विजन भारत को कार निर्माण और निर्यात का वैश्विक केंद्र बनाने में लगातार उत्प्रेरक साबित हो रहा है।SAVWIPL की ओर से ऑटोमोबाइलः टॉप एक्सपोर्टर अवॉर्ड अमित मदान, वाइस प्रेसिडेंट लॉजिस्टिक्स रीजन इंडिया ने प्राप्त किया। यह सम्मान डॉ. एम. अंगमुथु, चेयरपर्सन, मुंबई पोर्ट अथॉरिटी (आईएएस) और श्री आदेश तितरमारे, डिप्टी चेयरपर्सन, मुंबई पोर्ट अथॉरिटी (आईएएस) द्वारा कॉन्क्लेव में प्रदान किया गया। मुंबई पोर्ट SAVWIPL के निर्यात संचालन के लिए एक रणनीतिक गेटवे बना हुआ है, जो दुनिया के अनेक बाजारों तक कुशल पहुँच सुनिश्चित करता है और ग्रुप की अंतरराष्ट्रीय रणनीति में भारत की भूमिका को और मजबूत करता है।

यह सम्मान SAVWIPL को पहले वित्त वर्ष 2023-24 में मुंबई पोर्ट अथॉरिटी द्वारा टॉप एक्सपोर्टर के रूप में मिली पहचान के बाद आया है, जो भारत में निर्मित और इंजीनियर किए गए वाहनों के अग्रणी निर्यातक के रूप में ग्रुप की निरंतर वृद्धि को रेखांकित करता है। पिछले वर्षों में SAVWIPL ने अपने निर्यात विस्तार को लगातार बढ़ाया है और अब तक एशिया, अफ्रीका, मध्य पूर्व और उत्तरी अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में 7,25,000 से अधिक मेड-इन-इंडिया वाहनों की शिपमेंट की है। यह उपलब्धि भारत सरकार के मेक इन इंडिया विजन के प्रति कंपनी की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दशार्ती है।इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए, पियूष अरोड़ा, मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने कहा, मुंबई पोर्ट अथॉरिटी द्वारा एक बार फिर से सम्मानित होना SAVWIPL के लिए गर्व का क्षण है। यह पुरस्कार हमारे मजबूत निर्यात प्रदर्शन और हमारी टीमों के गुणवत्ता, विश्वसनीयता और वैल्यू चेन में ऑपरेशनल एक्सीलेंस पर लगातार ध्यान का प्रमाण है। भारत में हमारा मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम अब एक सच्चा वैश्विक निर्यात आधार बन चुका है और हम इसे और मजबूत बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं, ताकि भारत की भूमिका हमारे विश्वव्यापी उत्पादन और सप्लाई नेटवर्क में और सशक्त हो।

भिवंडी रोड रेलवे स्टेशन पर जलरोधक अंडरपास बनकर तैयार, सांसद सुरेश म्हात्रे ने किया निरीक्षण

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी रोड रेलवे स्टेशन के पास मुंबई रेलवे विकास महामंडल द्वारा निर्मित अत्याधुनिक एवं जलरोधक पैदल अंडरपास का निर्माण कार्य पूरा हो गया है। 68 मीटर लंबा यह अंडरपास सात सक्रिय रेलवे लाइनों के नीचे उन्नत इंजीनियरिंग तकनीक से तैयार किया गया है, जिससे यात्रियों और दोपहिया वाहन चालकों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। अंडरपास में आधुनिक जलरोधक प्रणाली, पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, वेंटिलेशन, जल निकासी व्यवस्था तथा आकर्षक भित्ति चित्रों की सुविधा दी गई है। इसके निर्माण से रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान होने वाले हादसों पर रोक लगने की उम्मीद है। सांसद सुरेश म्हात्रे (बाल्या मामा) ने रेलवे अधिकारियों के साथ अंडरपास का निरीक्षण किया और कुछ कमियों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए यहां सीसीटीवी कैमरे लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि भिवंडी रोड स्टेशन पर बढ़ती यात्री संख्या को देखते हुए भविष्य में रेल सेवाएं बढ़ाने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। सांसद ने बताया कि उनकी मांग पर मंजूर हुए इस महत्वपूर्ण प्रकल्प का निर्माण मात्र छह माह में पूरा किया गया है।

जिला परिषद पालघर में मनाई गई शूरवीर महाराणा प्रताप की जयंती

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिला परिषद पालघर में बुधवार को वीरता, शौर्य और स्वाभिमान के प्रतीक महाराणा प्रताप की तिथि अनुसार जयंती उत्साहपूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी तथा उनके राष्ट्रप्रेम, त्याग और अदम्य साहस को नमन किया।

इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि महाराणा प्रताप भारतीय इतिहास के ऐसे महान योद्धा थे जिन्होंने मातृभूमि और स्वाभिमान की रक्षा के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। राजस्थान के कुंभलगढ़ में 9 मई 1540 को जन्मे महाराणा प्रताप ने मेवाड़ की स्वतंत्रता के लिए मुगल सम्राट अकबर के विरुद्ध संघर्ष किया। हल्दीघाटी का युद्ध उनके अद्वितीय पराक्रम और अटूट संकल्प का प्रतीक माना जाता है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों और कर्मचारियों ने महाराणा प्रताप के आदर्शों को आत्मसात करने तथा राष्ट्रहित, कर्तव्यनिष्ठा और स्वाभिमान के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। अंत में सभी ने महान योद्धा को श्रद्धापूर्वक नमन कर उनके योगदान को याद किया। कार्यक्रम में अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र पाटील, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (सामान्य) इजाज अहमद शरीक मसलत, उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील सहित जिला परिषद के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

कोतवाली चौक, बेतिया में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी का शुभारंभ, लोगों को मिलेगी आधुनिक दवा सेवा

मुंबई/बेतिया। बेतिया के व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्र कोतवाली चौक में ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी की नई शाखा का शुभारंभ किया गया। उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि श्रीमती प्रेमलता देवी एवं श्री दिनेश प्रसाद गुप्ता ने संयुक्त रूप से फीता काटकर स्टोर का उद्घाटन किया।

फ्रेंचाइजी ओनर अभिषेक कुमार ने कहा कि ई-मेडिक्स स्मार्ट फामेर्सी का उद्देश्य बेतिया के लोगों को गुणवत्तापूर्ण एवं प्रमाणित दवाइयाँ उचित मूल्य पर उपलब्ध कराना है। उन्होंने बताया कि स्टोर में ग्राहकों को बेहतर सेवा, पारदर्शी बिलिंग और सुविधाजनक खरीदारी का अनुभव मिलेगा।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथियों के रूप में श्री रविन्द्र गुप्ता, श्री मामून खान, श्री पप्पू गुप्ता, श्री गजेन्द्र गुप्ता, श्री एस.पी. गुप्ता एवं श्री पन्ना लाल गुप्ता उपस्थित रहे।

नीम करौली बाबा

उत्तरशक्ति

* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

धान की बुआई करने गए किसान की करंट लगने से मौत, परिजनों में मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महाराजगंज थाना क्षेत्र के सराय दुगार्दास (नखतपुर) गांव में धान की बुआई करने गए एक किसान की करंट की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, जबकि पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गांव निवासी रामलाल गौतम (41) बुधवार को अपने खेत में धान की बुआई का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान वह अचानक करंट की चपेट में आ गए। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

ग्रामीणों का कहना है कि खेत में लगी झटका मशीन में प्रवाहित करंट इस हादसे की वजह हो सकता है। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराने, दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने तथा पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता और उचित मुआवजा दिए जाने की मांग की है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है। किसान की असमय मौत से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जू भैया संस्थान के निदेशक बने प्रो.मिथिलेश सिंह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के रज्जू भैया संस्थान के निदेशक पद का कार्यभार प्रो.मिथिलेश सिंह ने ग्रहण कर लिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

परीक्षा नियंत्रक डॉ. विनोद सिंह तथा वित्त अधिकारी श्री आत्म प्रकाश धर द्विवेदी ने भी प्रो. मिथिलेश सिंह को शुभकामनाएं देते हुए उनके नेतृत्व में संस्थान के विकास और नई उपलब्धियों की उम्मीद जताई।

कार्यभार ग्रहण करने के बाद अपने संबोधन में प्रो. मिथिलेश सिंह ने कहा कि रज्जू भैया संस्थान की शैक्षणिक, शोध एवं नवाचार गतिविधियों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाना उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि संस्थान की उन्नति सामूहिक प्रयास, समर्पण, अनुशासन और आपसी सहयोग से ही संभव है।

उन्होंने शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि सभी के संयुक्त प्रयासों से संस्थान को उत्कृष्टता के नए आयामों तक पहुंचाया जाएगा तथा शिक्षा और शोध के क्षेत्र में इसकी विशिष्ट पहचान स्थापित की जाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सामूहिक सहभागिता और सकारात्मक सोच के बल पर रज्जू भैया संस्थान शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार के क्षेत्र में नई उपलब्धियां हासिल करेगा।

कार्यभार ग्रहण समारोह में रज्जू भैया संस्थान के पूर्व निदेशक प्रो. देवराज सिंह, प्रो. गिरिधर मिश्रा, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. शशिकांत यादव, डॉ. नितेश जायसवाल, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. आशीष वर्मा, डॉ. संदीप वर्मा, डॉ. धीरेन्द्र चौधरी, डॉ. दिनेश वर्मा, डॉ. काजल कुमार डे सहित संस्थान के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

10 साल बाद कानून के शिकंजे में आए दो इनामी बंदी, एसटीएफ और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तारी

मो.इमरान फारूख

आजमगढ़ (उत्तरशक्ति)। वर्ष 2016 में जिला कारागार आजमगढ़ से फरार हुए दो इनामी बंदियों को एसटीएफ लखनऊ और सिधारी थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। दोनों आरोपियों पर शासन द्वारा एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित था। गिरफ्तारी के बाद उन्हें न्यायालय में पेश कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पुलिस के अनुसार 18 अगस्त 2016 को जिला कारागार आजमगढ़ से तीन विचाराधीन बंदी फरार हो गए थे। इस संबंध में थाना सिधारी में मुकदमा दर्ज किया गया था। मामले की विवेचना पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय भेज दिया गया था, लेकिन आरोपी लगातार फरार चल रहे थे।

बुधवार को एसटीएफ लखनऊ एवं सिधारी पुलिस की संयुक्त टीम ने सटीक सूचना के आधार पर चन्द्रशेखर उर्फ शेखर और प्रकाश मुसहर को गिरफ्तार कर लिया। दोनों की गिरफ्तारी पर एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित था।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि जेल से फरार होने के बाद वे विभिन्न स्थानों पर छिपकर रहते रहे। गिरफ्तारी से बचने के लिए उन्होंने लंबे समय तक पंजाब में मजदूरी और खेती का काम किया। हाल ही में वे गाजीपुर जाने के उद्देश्य से आजमगढ़ पहुंचे थे, जहां पुलिस ने उन्हें दबोच लिया।

गिरफ्तार चन्द्रशेखर उर्फ शेखर वाराणसी जिले के चोलापुर थाना क्षेत्र के लस्करपुर गांव का निवासी है, जबकि प्रकाश मुसहर गाजीपुर जिले के मरदह थाना क्षेत्र के दुखुर्सी गांव का रहने वाला है।

इस कार्रवाई में एसटीएफ लखनऊ के निरीक्षक आशुतोष कुमार त्रिपाठी, निरीक्षक ओम शंकर शुक्ला सहित अन्य पुलिसकर्मियों तथा सिधारी थाना प्रभारी शशिचन्द्र चौधरी, उपनिरीक्षक जावेद सिद्दीकी और उनकी टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस की इस सफलता को बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

नेवढ़िया थाने को मिला नया थानाध्यक्ष, निखिलेश तिवारी की हुई तैनाती

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कुंवर अनुपम सिंह ने प्रशासनिक फेरबदल किया है। इस क्रम में नेवढ़िया थानाध्यक्ष राजाराम द्विवेदी को हटाकर शिकारपुर चौकी प्रभारी निखिलेश तिवारी को नेवढ़िया थाने का नया प्रभारी निरीक्षक (एसओ) नियुक्त किया गया है। पुलिस अधीक्षक के आदेश के बाद निखिलेश तिवारी ने नई जिम्मेदारी संभालने की तैयारी शुरू कर दी है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार यह स्थानांतरण नियमित प्रशासनिक प्रक्रिया के तहत किया गया है, जिसका उद्देश्य पुलिस व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाना है। नए थानाध्यक्ष की तैनाती से क्षेत्र में पुलिस कार्यप्रणाली को गति मिलने तथा अपराध नियंत्रण एवं जनसुनवाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने की उम्मीद जताई जा रही है। पुलिस महकमे में इस बदलाव को सामान्य प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा माना जा रहा है।

साल्वेशन हॉस्पिटल के महा रक्तदान शिविर में उमड़ा उत्साह, डॉ.विवेक श्रीवास्तव ने किया शुभारंभ

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शहर के साल्वेशन हॉस्पिटल में बुधवार को आयोजित महा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में समाजसेवियों, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और आम नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर का शुभारंभ हॉस्पिटल के वरिष्ठ चिकित्सक एवं निदेशक डॉ. विवेक श्रीवास्तव ने स्वयं रक्तदान कर किया और लोगों को इस पुनीत कार्य के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गंगाराम गौतम ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अतिथियों ने रक्तदान को महादान बताते हुए कहा कि यह किसी जरूरतमंद को नया जीवन देने का सबसे बड़ा माध्यम है। उन्होंने साल्वेशन हॉस्पिटल की इस सामाजिक पहल की सराहना करते हुए अधिक से अधिक लोगों से रक्तदान करने का आह्वान किया।

शिविर में मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अंबष्ट, क्षेत्राधिकारी नगर गोल्डी गुप्ता, जफराबाद विधायक जगदीश नारायण राय, बदलापुर विधायक रमेश चंद्र मिश्रा समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। वहीं पत्रकारों, समाजसेवियों और युवाओं ने भी बढ़-चढ़कर रक्तदान किया।

डॉ. विवेक श्रीवास्तव के साथ मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. गंगाराम गौतम, सहित अनेक लोगों ने रक्तदान कर समाज के सामने प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया। इसके अलावा राजेश श्रीवास्तव, नीतीश कुमार, नवनीत यादव 'बिट्टू', समेत बड़ी संख्या में लोगों ने रक्तदान कर मानवता के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।

वक्ताओं ने कहा कि रक्त का कोई विकल्प नहीं है और एक यूनिट रक्त कई मरीजों के जीवन को बचाने में सहायक हो सकता है। रक्तदान शिविर में सेवा, समर्पण और मानवता का अद्भुत संगम देखने को मिला, जिसने समाज में जागरूकता और सहयोग की भावना को मजबूत करने का कार्य किया।

रफ्तार बनी कालः बाइक की टक्कर से पैदल राहगीर की मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्सा थाना क्षेत्र के लखौवा बाजार में बुधवार सुबह तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। सड़क किनारे पैदल जा रहे एक अधेड़ व्यक्ति को तेज गति से आ रही बाइक ने जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। हादसे के बाद बाजार क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग घटनास्थल पर जुट गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। वहीं दुर्घटना के बाद बाइक चालक की तलाश भी शुरू कर दी गई है।

पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। इस दर्दनाक हादसे ने एक बार फिर सड़क पर तेज रफ्तार वाहनों से होने वाले खतरों को उजागर कर दिया है।

तेजीबाजार पुलिस की सक्रियता से मिली गुमशुदा बच्ची, परिजनों ने ली राहत की सांस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। तेजीबाजार थाना क्षेत्र के बरईपार बाजार में बुधवार शाम उस समय हड़कंप मच गया, जब घर के बाहर खेल रही पांच वर्षीय बच्ची अचानक लापता हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए बच्ची की तलाश शुरू की और कुछ ही देर में उसे सकुशल बरामद कर उसकी मां के सुपुर्द कर दिया। जानकारी के अनुसार बरईपार नेवढ़िया गांव निवासी प्रीति मोदनवाल पत्नी दिलीप मोदनवाल की पांच वर्षीय पुत्री खेलते-खेलते घर से दूर निकल गई थी। काफी देर तक बच्ची के घर न लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की, लेकिन कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद डायल 112 पर सूचना दी गई। सूचना मिलते ही तेजीबाजार पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्रों में खोजबीन शुरू कर दी। पुलिस की सक्रियता रंग लाई और बच्ची बरईपार स्थित यूनियन बैंक के पास सकुशल मिल गई। पुलिस ने बच्ची को सुरक्षित उसकी मां के हवाले कर दिया। बेटी के सकुशल मिलने पर परिजनों ने राहत की सांस ली और पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया। इस दौरान विजय यादव सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। पुलिस की तत्परता से एक परिवार की बड़ी चिंता खुशी में बदल गई।

यूपी में स्कूलों की छुट्टियां बढ़ीं, अब 24 जून तक बंद रहेंगे बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालय

25 जून 2026 से शुरू होगा नया शैक्षणिक सत्र

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के बेसिक शिक्षा परिषद के अंतर्गत संचालित विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि बढ़ा दी गई है। शासन द्वारा जारी नवीनतम आदेश के अनुसार अब प्रदेश के बेसिक स्कूल 20 मई 2026 से 24 जून 2026 तक बंद रहेंगे।

आदेश के मुताबिक विद्यार्थियों के लिए नियमित पठन-पाठन कार्य 25 जून 2026 से प्रारंभ किया जाएगा। छुट्टियों की अवधि बढ़ने से छात्रों और अभिभावकों को राहत मिली है। वहीं विद्यालयों में व्यवस्थाओं को सुचारू बनाए रखने के लिए शिक्षकों, अनुदेशकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को विशेष निर्देश जारी किए गए हैं। आदेश के अनुसार 22, 23 और 24 जून को विद्यालयों में उपस्थित होकर मिड-डे मील व्यवस्था, साफ-सफाई, रजिस्टर और अन्य प्रबंधन संबंधी कार्य पूरे करने होंगे।

इसके साथ ही 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर सभी विद्यालयों में सामूहिक योगाभ्यास आयोजित करना अनिवार्य किया गया है। संबंधित अधिकारियों और शिक्षकों को शासन के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। शिक्षा विभाग ने सभी संबंधित अधिकारियों को आदेश का पालन कराने और विद्यालयों में आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कराने के निर्देश दिए हैं।

यात्रा पूरी कर जौनपुर लौटे हाजी, फूल-मालाओं और नारों के साथ हुआ स्वागत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुकद्दस सफर हज से हाजियों की वापसी का सिलसिला शुरू हो गया है। सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का से हज की अदायगी कर लौटे जौनपुर के हाजियों का बुधवार को गर्मजोशी के साथ स्वागत किया गया। परिजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने फूल-मालाएं पहनाकर तथा मुबारकबाद देकर उनका इस्तकबाल किया।

जानकारी के अनुसार जौनपुर से हज पर गए हाजियों का एक जत्था लगभग 40 दिनों की पवित्र यात्रा पूरी कर सकुशल वापस लौटा। लौटने वालों में उर्दू बाजार, सुतहट्टी बाजार, रिजवी खां (अटाला के पीछे) समेत जिले के विभिन्न क्षेत्रों के हाजी शामिल रहे। हाजियों के पहुंचने की सूचना मिलते ही सैकड़ों लोग स्वागत के लिए एकत्र हो गए और नारों की सदाओं के बीच उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर मरकजी सीरत कमेटी के पूर्व अध्यक्ष हफीज शाह ने बताया कि जनपद से हज यात्रा पर गए कुल 68 हाजी अलग-अलग दिनों में अपनी यात्रा पूरी कर सुरक्षित वापस लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि कुछ हाजी निजी कंपनियों के माध्यम से भी हज यात्रा पर गए थे, जो सकुशल लौट आए हैं। हाजियों की वापसी से उनके परिवारों में खुशी का माहौल है। लोगों ने उनसे मुलाकात कर हज की मुबारकबाद दी और मुल्क में अमन, भाईचारे एवं खुशहाली के लिए की गई दुआओं की सराहना की। हाजियों ने भी हज यात्रा के अनुभव साझा करते हुए सभी के लिए दुआएं कीं।

जौनपुर में गरजा बाबा का बुलडोजर, ग्राम समाज की जमीन से हटाया गया वर्षों पुराना अवैध कब्जा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के केराकत तहसील क्षेत्र के अजोरपुर गांव में प्रशासन ने ग्राम समाज की भूमि पर वर्षों से किए गए अवैध कब्जे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। एसडीएम सुनील कुमार भारती के नेतृत्व में राजस्व एवं प्रशासनिक टीम मौके पर पहुंची और भूमि की पैमाइश कराने के बाद बुलडोजर चलवाकर अतिक्रमण को ध्वस्त कर दिया। प्रशासनिक कार्रवाई के दौरान सरकारी भूमि को कब्जा मुक्त कराकर ग्राम समाज के नाम सुरक्षित कराया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और ऐसे मामलों में अभियान लगातार जारी रहेगा। एसडीएम ने चेतावनी देते हुए कहा कि ग्राम समाज, तालाब, चरागाह और अन्य सार्वजनिक भूमि पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी तथा किसी भी अतिक्रमणकारी को बख्शा नहीं जाएगा। प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा रहा, जबकि ग्रामीणों ने सरकारी भूमि को मुक्त कराने की पहल का स्वागत किया।

सामाजिक न्याय की प्रतीक थीं फूलन देवी, उनकी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं अखिलेश यादवः मो.अरशद खान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक जौनपुर सदर मोहम्मद अरशद खान ने कहा है कि वीरांगना फूलन देवी सामाजिक न्याय, सम्मान और वंचित समाज की आवाज का सशक्त प्रतीक थीं। उन्होंने नेताजी मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में सामाजिक न्याय के आंदोलन को नई दिशा और मजबूती प्रदान की।

बुधवार को जारी एक बयान में अरशद खान ने कहा कि मुलायम सिंह यादव ने फूलन देवी के संघर्ष, नेतृत्व क्षमता और जनसमर्थन को पहचानते हुए उन्हें लोकतंत्र की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि फूलन देवी को संसद तक पहुंचाना केवल एक राजनीतिक निर्णय नहीं था, बल्कि उपेक्षित और वंचित समाज को सम्मान दिलाने की ऐतिहासिक पहल थी।

उन्होंने कहा कि समाजवादी आंदोलन ने निषाद, बिंद, केवट, मल्लाह, कश्यप, राजभर समेत अति पिछड़े वर्गों के सामाजिक और आर्थिक उत्थान के लिए अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए। मंडल आयोग की सिफारिशों को लागू कराने के संघर्ष में भी नेताजी की महत्वपूर्ण भूमिका रही, जिससे पिछड़े वर्गों को शिक्षा और सरकारी नौकरियों में आरक्षण का लाभ मिला।

अरशद खान ने कहा कि पंचायतों और स्थानीय निकायों में पिछड़े वर्गों, दलितों और महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना समाजवादी विचारधारा की बड़ी उपलब्धि रही है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव नेताजी और फूलन देवी के सपनों को साकार करने के लिए सामाजिक न्याय, संविधान और वंचित वर्गों के अधिकारों की लड़ाई को आगे बढ़ा रहे हैं।

उन्होंने सामाजिक न्याय समर्थक समुदायों से एकजुट होकर समाजवादी आंदोलन को मजबूत करने और समान अवसर तथा संविधान की रक्षा के लिए सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

पीयू द्वारा वृद्धाश्रम में योग कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2026 की थीम ﹟स्वस्थ वृद्धावस्था के लिए योग के अंतर्गत कुलपति प्रो. वंदना सिंह के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय सेवा योजना वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा बुधवार को वृद्धाश्रम (ओल्ड एज होम), सैय्यद अलीपुर, सुक्खीपुर, जौनपुर में योग जन जागरूकता एवं अभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षक श्री जय सिंह ने वृद्धजनों,को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं ध्यान की विधियों का अभ्यास कराया।

उन्होंने बताया कि नियमित योग स्वस्थ, सक्रिय एवं सम्मानजनक वृद्धावस्था का आधार है। योग केवल व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवनशैली का माध्यम है जो जीवन के प्रत्येक चरण में लाभकारी सिद्ध होता है। वृद्धाश्रम के सभी वृद्धजनों योग को दैनिक जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा स्वस्थ जीवन का

संकल्प लिया। डॉ. ध्रुवराज योगाचार्य ने भी गीत के माध्यम से योग एवं स्वस्थ जीवन जीने का तरीका बताया। साथ योगाचार्य जी ने बताया कि वृद्धजनों के लिए हाथ एवं पैर का सूक्ष्म अभ्यास और भक्तिका, अनुलोम विलोम एवं भ्रामरी प्रायाणाम से स्वस्थ जीवन का निर्वहन किया जा सकता है। कार्यक्रम का समन्वय कार्यक्रम समन्वयक डॉ.शशिकांत यादव एवं वृद्धाश्रम के संयोजक रवि चौबे ने किया। इस अवसर पर डॉ. पुनीत सिंह, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. सोमारू राम, विकास सिंह, सत्यम त्रिपाठी सहित अन्य स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पति-पत्नी के विवाद के बाद विवाहिता की संदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस

तेजीबाजार, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के ब्रह्मणपुर गांव में पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद एक विवाहिता की विषाक्त पदार्थ सेवन से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्रह्मणपुर निवासी आरती (30) पत्नी सुरेश कुमार ने कथित रूप से विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही तेजीबाजार पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बताया जाता है कि आरती का विवाह वर्ष 2015 में प्रेम विवाह के रूप में हुआ था। उसके पति सुरेश कुमार दिल्ली में रहकर नौकरी करते हैं और कुछ दिन पूर्व ही घर लौटे थे। दंपति की दो पुत्रियां हैं। परिजनों के अनुसार घटना से पहले पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था।

मृतका की मां विमला की तहरीर पर पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष सतेंद्र भाई पटेल ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। वहीं विवाहिता की मौत को लेकर क्षेत्र में विभिन्न चचाएं भी हो रही हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

जौनपुर में विकास प्रदर्शनी का शुभारंभ, केंद्र सरकार की 12 वर्षों की उपलब्धियां प्रदर्शित

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन एवं जनकल्याण के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में विकास भवन परिसर में आयोजित तीन दिवसीय विकास प्रदर्शनी का बुधवार को शुभारंभ किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन प्रदेश के खेल एवं युवा कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चन्द्र यादव एवं भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. तथा मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाड़िया की उपस्थिति में फीता काटकर किया।

17 से 20 जून तक चलने वाली इस प्रदर्शनी में केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, आधारभूत संरचना विकास, स्वास्थ्य, शिक्षा, डिजिटल सेवाओं और रोजगार सृजन से जुड़े कार्यों को चित्रों एवं प्रदर्शन सामग्री के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। साथ ही जनपद जौनपुर में हुए प्रमुख विकास कार्यों को भी आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया गया है।

प्रदर्शनी में अग्निशमन केंद्र भवनों के निर्माण, स्पोर्ट्स स्टेडियम में सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक की स्थापना, नमामि गंगे योजना के अंतर्गत गोमती रिवर फ्रंट एवं घाटों के विकास, मेडिकल कॉलेज की स्थापना, महिला शिक्षा एवं सशक्तिकरण से जुड़े संस्थानों के निर्माण सहित कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को प्रमुखता से स्थान दिया गया है।

राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने विकास और जनकल्याण के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं के हित में चलाई जा रही योजनाओं से करोड़ों लोग लाभान्वित हुए हैं।

जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने कहा कि प्रदर्शनी का उद्देश्य आमजन को केंद्र सरकार की उपलब्धियों एवं जनहितकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराना है। उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में प्रदर्शनी का अवलोकन करने की अपील की।

कार्यक्रम के दौरान जिला सूचना कार्यालय द्वारा प्रचार सामग्री का वितरण किया गया तथा लोकगीतों के माध्यम से विभिन्न सरकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार भी किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों की उपस्थिति रही।

पति-पत्नी के विवाद के बाद विवाहिता की संदिग्ध मौत, जांच में जुटी पुलिस

तेजीबाजार, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना क्षेत्र के ब्रह्मणपुर गांव में पति-पत्नी के बीच हुए विवाद के बाद एक विवाहिता की विषाक्त पदार्थ सेवन से मौत हो गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्रह्मणपुर निवासी आरती (30) पत्नी सुरेश कुमार ने कथित रूप से विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। सूचना मिलते ही तेजीबाजार पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि आरती का विवाह वर्ष 2015 में प्रेम विवाह के रूप में हुआ था। उसके पति सुरेश कुमार दिल्ली में रहकर नौकरी करते हैं और कुछ दिन पूर्व ही घर लौटे थे। दंपति की दो पुत्रियां हैं। परिजनों के अनुसार घटना से पहले पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। मृतका की मां विमला की तहरीर पर पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। थानाध्यक्ष सतेंद्र भाई पटेल ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद गांव में शोक का माहौल है। वहीं विवाहिता की मौत को लेकर क्षेत्र में विभिन्न चचाएं भी हो रही हैं। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

शांति भंग की आशंका में 8 लोग गिरफ्तार, शाहगंज पुलिस की कार्रवाई

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में कानून-व्यवस्था बनाए रखने एवं अपराध की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना शाहगंज पुलिस ने बुधवार को शांति भंग की आशंका में 8 लोगों को गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव एवं क्षेत्राधिकारी शाहगंज गिरीन्द्र सिंह के पर्यवेक्षण में थाना शाहगंज पुलिस ने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए बीएनएसएस की धारा 170/126/135 के अंतर्गत 8 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में रामू राजभर, रीमा देवी, फूलचंद राजभर, लालचंद राजभर, आशा देवी, पन्नकली देवी, उदय राज गौतम तथा महेश गौतम शामिल हैं। पुलिस के अनुसार सभी के विरुद्ध शांति भंग की आशंका के आधार पर विधिक कार्रवाई की गई।

गिरफ्तारी की कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक तेज बहादुर सिंह, उपनिरीक्षक विनोद कुमार, उपनिरीक्षक रामविचार एवं थाना शाहगंज पुलिस टीम द्वारा की गई। गिरफ्तार सभी अभियुक्तों को आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर संबंधित न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

राज्य मंत्री ने नवीन प्रतिष्ठान सरिता शर्मा टूरिस्ट सर्विस का फीता काटकर किया उद्घाटन!

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया। राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा नेरोहनिया विधानसभा क्षेत्र के रोहनिया बाजार में नवीन प्रतिष्ठान सरिता शर्मा टूरिस्ट सर्विसह्व का फीता काटकर उद्घाटन किया। जिसके दौरान राज्यमंत्री हंसराज विश्वकर्मा ने प्रतिष्ठान के संचालक प्रवीण शर्मा को बधाई देते हुए उनके उज्वल भविष्य एवं व्यवसाय की निरंतर प्रगति की कामना की। उन्होंने कहा कि नए व्यवसायों की स्थापना से स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ते हैं और क्षेत्र के विकास को गति मिलती है।कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सम्मानित अतिथियों एवं क्षेत्रवासियों से आत्मीय भेंट और संवाद का अवसर भी प्राप्त हुआ। सभी अतिथियों ने सरिता शर्मा टूरिस्ट सर्विसह्व के सफल संचालन तथा उत्तरोत्तर उन्नति के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम में आए हुए सभी अतिथियों को संचालक प्रवीण शर्मा ने अंग वस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।इस दौरान मुख्य रूप से एसएनएस ग्रुप के चेयरमैन उपेन्द्र सिंह गौतम, जिला महामंत्री प्रवीण सिंह गौतम, विमला हॉस्पिटल के निदेशक डॉ. सिद्धार्थ सिंह गौतम, राजातालाब मंडल भाजपा उपाध्यक्ष मनोज सिंह, कार्यसमिति सदस्य उपेन्द्र सिंह, संतोष शर्मा, सुरेंद्र मिश्रा, संतोष सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

वाराणसी में जनहित संकल्प पार्टी की न्याय यात्रा, सरकार पर लगाया उपेक्षा का आरोप

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनहित संकल्प पार्टी की ह्यन्याय यात्राह्व बुधवार को वाराणसी पहुंची, जहां पार्टी नेताओं ने विभिन्न सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। इस दौरान आयोजित सभा में महिलाओं, ओबीसी वर्ग और युवाओं के अधिकारों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया।

पार्टी नेताओं ने कहा कि महिलाओं को 50 प्रतिशत भागीदारी, जातीय जनगणना, ओबीसी वर्ग को उचित प्रतिनिधित्व, निःशुल्क शिक्षा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने जैसी मांगों पर सरकार अपेक्षित गंभीरता नहीं दिखा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि समाज के विभिन्न वर्गों की समस्याओं की लगातार अनदेखी की जा रही है। नेताओं ने वाराणसी के कुछ चर्चित हत्या मामलों का उल्लेख करते हुए दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवारों को न्याय मिलना चाहिए और कानून का राज स्थापित होना चाहिए। सभा को संबोधित करते हुए पार्टी पदाधिकारियों ने कहा कि न्याय, समान अवसर और सामाजिक भागीदारी के मुद्दों पर उनका संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के घेराव जैसे कदम उठाए जाएंगे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। नेताओं ने सामाजिक न्याय और जनहित के मुद्दों को लेकर जनता के बीच लगातार अभियान चलाने की बात कही।

डाबर पुदीन हरा का वंडर हर्ब अभियान शुरू, पुदीना के औषधीय गुणों को किया प्रतिष्ठित

पटना(उत्तरशक्ति)। आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों के लाभों को बढ़ावा देने के अपने मिशन को आगे बढ़ाते हुए भारत की सबसे बड़ी विज्ञान आधारित आयुर्वेद कंपनी डाबर इंडिया लिमिटेड ने पुदीना को एक आश्चर्यजनक जड़ी-बूटी के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए एक विशेष अभियान वंडर हर्ब शुरू किया। इस अभियान का शुभारंभ आज पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में किया गया।

इस अवसर पर आयुर्वेद फिजिशियन डॉ. विनोद कुमार उपाध्याय ने पुदीना की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पुदीना एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइटोन्यूट्रिएंट्स युक्त होता है जो मानव पेट के लिए खासकर तेज गर्मी के दौरान चमत्कार कर सकते हैं, गर्म-लहरों और बढ़ते पारा के स्तर की त्वरित आवृत्ति के साथ, गर्मियों के मौसम के दौरान स्वास्थ्य समस्याएं आम हो गई हैं। इस तीव्र मौसम में संभावित स्वास्थ्य समस्याओं को देखते हुए, डाबर उन लोगों को पुदीना के उपयोग की सलाह देते हैं जो दिन में लंबे समय तक धूप में रहते हैं और आम गर्मी की बीमारियों के शिकार होते हैं। इस अवसर पर डाबर इंडिया लिमिटेड के डायरेक्टर-मार्केटिंग श्रीराम पद्मनाभन ने कहा, जीवन शैली में विकसित रुझानों और उपभोक्ताओं के काम का पैटर्न देखने पर पता चलता है कि आज सभी बहु-मुखी कार्य कर रहे हैं और इसलिए उन्हें प्रभावी और प्राकृतिक समाधान की आवश्यकता होती है। डाबर, सबसे भरोसेमंद हेल्थकेयर कंपनी के रूप में, दैनिक स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए पारंपरिक आयुर्वेद को उपलब्ध कराने के अपने लक्ष्य को मजबूत करता है और पुदीन हरा कई गैस्ट्रिक विकारों के लिए एक निश्चित समाधान है। गर्मियों के मौसम के दौरान प्रचलित कई बीमारियों को ध्यान में रखते हुए, पुदीन हरा बदहजमी, गैस और एसिडिटी जैसे पेट की समस्याओं के समाधान में मदद करता है।

इस अवसर पर डाबर इंडिया लिमिटेड के हेड-कारपोरेट कम्युनिकेशंस ब्यास आनंद ने कहा कि यह अभियान पुदीना के आयुर्वेदिक महत्व और उसके स्वास्थ्य लाभों के प्रति लोगों को जागरूक करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। डॉ. विनोद कुमार उपाध्याय ने आगे कहा, आयुर्वेद की पांडुलिपियों में आधुनिक समय की बीमारियों का सबसे अच्छा प्रबंधन गहराई से छिपा हुआ है। पुदीना की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि 3,000 साल पुरानी है और इसे वंडर हर्ब के रूप में नामित किया गया है जो मानव पाचन तंत्र के लिए फायदेमंद है। पुदीना में मौजूद मेन्थॉल पाचन के लिए जरूरी एंजाइमों को उत्तेजित करता है, पेट की मांसपेशियों को आराम देता है, अपचन और मरोड़ की संभावनाओं को कम करता है।

जौनपुर में विकसित भारत संकल्प सम्मेलन आयोजित, 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी द्वारा कलेक्ट्रेट प्रेक्षागृह में 12 साल विश्वास के, विकास के और जनकल्याण के विषय पर विकसित भारत संकल्प सम्मेलन (प्रबुद्ध जन) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शिक्षाविदों, चिकित्सकों, अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकताओं एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने भाग लेकर वर्ष 2047 तक भारत को विकसित एवं आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की। मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश मंत्री शंकर गिरी तथा विशिष्ट अतिथि प्रदेश सरकार के स्वतंत्र प्रभार मंत्री गिरीश चन्द्र यादव एवं जिला प्रभारी अशोक चौरसिया रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

मुख्य अतिथि शंकर गिरी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। आज भारत आत्मनिर्भरता और आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के साथ वैश्विक स्तर पर एक सशक्त राष्ट्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समाज के सभी वर्गों की भागीदारी आवश्यक है।

विशिष्ट अतिथि गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है।

उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में प्रबुद्ध वर्ग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने केंद्र सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि जनधन योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने करोड़ों लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। उन्होंने वंदे भारत ट्रेन, एक्सप्रेस-वे, रेलवे आधुनिकीकरण, यूपीआई और डिजिटल इंडिया जैसी उपलब्धियों को नए भारत की पहचान बताया। सम्मेलन के दौरान राष्ट्र एवं समाज निर्माण में उत्कृष्ट योगदान देने वाले प्रबुद्ध जनों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित लोगों ने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए सक्रिय योगदान देने का संकल्प दोहराया।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री अजय सिंह ने किया। इस अवसर पर भाजपा के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं जिले के विभिन्न क्षेत्रों के गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भारत में लॉन्च हुई नई मिनी कंट्रीमैन सी, अब होगी मेड इन इंडिया

पटना। मिनी इंडिया ने ऑल-न्यू मिनी कंट्रीमैन सी को भारत में लॉन्च कर दिया है। लेटेस्ट जनरेशन की यह एसयुवी अब बीएमडब्लू ग्रुप के चेन्नई प्लांट में स्थानीय स्तर पर तैयार की जाएगी। इसकी बुकिंग सभी अधिकृत मिनी डीलरशिप पर शुरू हो चुकी है और डिलीवरी भी तत्काल प्रभाव से शुरू कर दी गई है। कंपनी के अनुसार, नई मिनी कंट्रीमैन सी अपने सेगमेंट में बेहतरीन ऊंचाई और ग्राउंड क्लीयरेंस के साथ दमदार डिजाइन, विशाल केबिन और आधुनिक फीचर्स से लैस है। इसमें 240 मिमी सर्कुलर ओलेड टचस्क्रीन डिस्प्ले, 505 लीटर का बूट स्पेस और एडवांस्ड कनेक्टिविटी सुविधाएं दी गई हैं। इस एसयूवी में लेटेस्ट मिनी ट्विनपॉवर टर्बो तकनीक वाला पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 156 हॉर्सपावर की शक्ति और 240 न्यूटन-मीटर टॉर्क उत्पन्न करता है। इसके साथ 7-स्पीड डबल क्लच स्टेपट्रॉनिक स्पोर्ट ट्रांसमिशन मिलता है।बीएमडब्लू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष एवं सीईओ हरदीप सिंह बरार ने कहा कि मिनी कंट्रीमैन सी दमदार डिजाइन, उपयोगिता और मिनी की पहचान मानी जाने वाली गो-कार्ट फीलिंग का बेहतरीन संयोजन है तथा इसका भारत में निर्माण ग्राहकों को बेहतर वैल्यू प्रदान करेगा। फेवर्ड पैकह्न में उपलब्ध ऑल-न्यू मिनी कंट्रीमैन सी की एक्स-शोरूम कीमत 47,50,000 रुपये रखी गई है। बीएमडब्लू इंडिया फाइनेंशियल सर्विसेज के तहत इसे 56,990 रुपये मासिक किस्त और 66 प्रतिशत तक एश्योर्ड बायबैक वैल्यू के साथ भी उपलब्ध कराया जा रहा है।

मेक इन इंडिया से बढ़े रोजगार के अवसर, विकसित भारत की ओर तेजी से बढ़ रहा देश : ए.के. शर्मा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में उत्तर प्रदेश सरकार के नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने सरकार की उपलब्धियों और ₹विकसित भारत₹ के संकल्प पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास, सुशासन और आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि आज दुनिया के कई देश भारत में निवेश कर रहे हैं। ₹मेक इन इंडिया₹ अभियान के कारण देश में उत्पादन बढ़ा है, जिससे रोजगार के नए अवसर सृजित हुए हैं। वहीं ₹स्टार्टअप इंडिया₹ योजना के माध्यम से युवा उद्यमी बनकर रोजगार देने का कार्य कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत जल्द ही विश्व की चौथी सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनने की ओर अग्रसर है।

उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना और फसल बीमा योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाओं से करोड़ों लोगों को लाभ मिला है। सरकार शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार और खेलों को बढ़ावा देने के लिए लगातार कार्य कर रही है। ₹खेलो इंडिया₹ और ₹फिट इंडिया₹ जैसे अभियान युवाओं को नई दिशा प्रदान कर रहे हैं।

प्रेस वार्ता से पूर्व भाजपा जिला कार्यालय में मासिक बैठक आयोजित की गई, जिसमें संगठन को मजबूत बनाने और सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने की रणनीति पर चर्चा हुई। जिला प्रभारी अशोक चौरसिया ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण और विकास के लिए पूरी निष्ठा से समर्पित है।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति ने कहा कि कार्यकर्ताओं का परिश्रम ही पार्टी की सबसे बड़ी पूंजी है। उन्होंने कहा कि सरकार की लोककल्याणकारी योजनाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना संगठन की प्राथमिकता है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों को सुशासन और विकास का स्वर्णिम काल बताया। कार्यक्रम में भाजपा के जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में सरकार की उपलब्धियों को जनता तक पहुंचाने और संगठन को और मजबूत बनाने का संकल्प लिया गया।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह के अन्तर्गत जौनपुर में रन फॉर योगा का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस सप्ताह के अन्तर्गत स्वस्थ एवं निरोगी जीवन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आज लोहिया पार्क, जौनपुर में योगाभ्यास के उपरांत दीप प्रज्वलन कर रन फॉर योगा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में योग के महत्व एवं नियमित अभ्यास से होने वाले लाभों के प्रति आमजन को जागरूक किया गया। रन फॉर योगा रैली का शुभारंभ लोहिया पार्क से हुआ। रैली जिलाधिकारी कार्यालय, जेसीज चौराहा, ओलंदगंज एवं रूहट्टा मार्ग से होते हुए पुनः लोहिया पार्क पहुंचकर संपन्न हुई। रैली के दौरान प्रतिभागियों ने योग अपनाने, स्वस्थ रहने तथा नियमित दिनचर्या में योग को शामिल करने का संदेश दिया। सभी प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम में सहभागिता कर योग को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि स्वस्थ शरीर, संतुलित मन और सकारात्मक जीवन शैली का आधार है। उन्होंने नागरिकों से नियमित योगाभ्यास को अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। करें योग, रहें निरोग के संदेश के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी, जिला उद्यान अधिकारी, योगाचार्य अचल हरिमूर्ति, प्रदीप कुमार पांडेय, मनोज कुमार सिंह, अरविंद यादव, नंदलाल, निलेश एवं साक्षी सिंह सहित जनपद के आयुष विभाग तथा अन्य विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, योग प्रशिक्षक एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

चलो मिलकर बनाएं विकसित भारत : संकल्प संगोष्ठी में आत्मनिर्भर भारत का लिया संकल्प

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर ब्लॉक परिसर में आयोजित संकल्पसंगोष्ठी कार्यक्रम में विकसित भारत के निर्माण को लेकर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने वर्ष 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को दोहराया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री कृपाशंकर सिंह (पूर्व लोकसभा प्रत्याशी, जौनपुर) उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि विश्वास, विकास और जनकल्याण के संकल्प के साथ देश को आगे बढ़ाने की दिशा में सामूहिक प्रयासों पर जोर दिया आगे उन्होंने कहा कि ह्लजो सनातन के साथ चलेगा, वही भारत पर राज करेगा।ह्व उन्होंने विकसित भारत के संकल्प को आगे बढ़ाने के लिए समाज की एकजुटता और सांस्कृतिक मूल्यों के महत्व पर जोर दिया।उन्होंने कहा कि देश को वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करना होगा। संगोष्ठी में ब्लॉक प्रमुख सतेंद्र सिंह फंटू, सुशील मिश्रा, श्याम राज सिंह, अतुल सिंह, अभिषेक सिंह, बद्री प्रसाद सिंह, नागेंद्र सिंह सहित कई गणमान्यजन मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए नागरिकों की भागीदारी और जिम्मेदारियों पर चर्चा की गई। उपस्थित लोगों ने देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

12 साल के विकास का महाकुंभ काशी में, योजनाओं से लेकर नए भारत की तस्वीर तक एक मंच पर

सुरेश गांधी

वाराणसी। देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे हुए 12 वर्षों की विकास यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को काशी के बड़ालालपुर स्थित ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर (टीएफसी) में विकास, सुशासन और जनकल्याण का भव्य संगम दिखाई दिया। ₹12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के₹ थीम पर शुरू हुई पांच दिवसीय प्रदर्शनी में केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों, जनहितकारी योजनाओं और बदलते भारत की तस्वीर को आधुनिक एवं आकर्षक अंदाज में प्रस्तुत किया गया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, गरीब कल्याण, आधारभूत संरचना, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण और युवाओं के सशक्तीकरण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार की योजनाएं अब केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक उनका लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में केंद्र और राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही हैं। गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। यह प्रदर्शनी सरकार की विकास यात्रा को आमजन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनेगी और विशेष रूप से युवाओं को देश में हो रहे परिवर्तन से परिचित कराएगी। प्रदर्शनी में

आधारभूत संरचना, एक्सप्रेस-वे, रेलवे, डिजिटल इंडिया, महिला सशक्तिकरण, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, गरीब कल्याण और सुशासन सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुए कार्यों को तथ्यात्मक आंकड़ों, आकर्षक फोटो पैनलों और डिजिटल प्रस्तुति के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। बड़ी संख्या में पहुंचे विद्यार्थियों, युवाओं और आम नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और सरकारी योजनाओं को सरल एवं प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किए जाने की सराहना की। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक सुरेंद्र नाथ पाल ने बताया कि यह प्रदर्शनी 21 जून तक प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे से शाम 6 बजे तक आमजन के लिए खुली रहेगी। इसी अवधि में जनकल्याण शिविर, स्वास्थ्य शिविर, प्रबुद्धजन संवाद तथा जिला स्तरीय स्वदेशी सरस मेले का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे नागरिकों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ और जानकारी दोनों उपलब्ध हो सके।

उद्घाटन समारोह में प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, स्टाम्प राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', एमएसएमई राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, विधान परिषद सदस्य राय धर्मेंद्र सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधायक डॉ. अवधेश सिंह, सौरभ श्रीवास्तव, त्रिभुवन राम, क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप कुमार पटेल, जिलाध्यक्ष रामसकल पटेल, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार, डीसी एनआरएलएम पवन सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

इनब्रू बेवरेजेज ने व्हाइट मिसचीफ वोडका के नए और प्रीमियम अवतार का अनावरण किया

मुंबई। भारत के सबसे लोकप्रिय वोडका ब्रांड्स में से एक व्हाइट मिसचीफ वोडका ने अपने मुख्य पोर्टफोलियो में व्यापक ब्रांड रिवैम्प और प्रीमियमाइजेशन की घोषणा की है। यह बदलाव ब्रांड के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, क्योंकि अब यह उन नई पीढ़ी के उपभोक्ताओं को ध्यान में रखते हुए खुद को नए रूप में प्रस्तुत कर रहा है जो बेहतर, लेकिन सहज और आनंददायक ड्रिंकिंग अनुभव की तलाश में हैं। नए पोर्टफोलियो में ताजा पैकेजिंग डिजाइन, अधिक आकर्षक विजुअल पहचान और बेहतर लिक्विड प्रोफाइल शामिल है, जिसे अधिक स्मूद और आधुनिक वोडका अनुभव प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। ब्रांड की युवा और जीवंत पहचान को बरकरार रखते हुए, नई व्हाइट मिसचीफ वोडका अब अधिक प्रीमियम और आधुनिक रूप में सामने आई है, जो बदलती उपभोक्ता पसंद के अनुरूप है। इस बदलाव पर बात करते हुए इनब्रू बेवरेजेज के जनरल मैनेजर - मार्केटिंग, सुमित तिवारी ने कहा, यह प्रीमियमाइजेशन पहल हमारे व्यापक रणनीतिक प्रयासों का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य हमारे पोर्टफोलियो को और मजबूत करना तथा भारत के युवा वयस्क उपभोक्ताओं के बीच आधुनिक और उच्च गुणवत्ता वाली वोडका की बढ़ती मांग को पूरा करना है। व्हाइट मिसचीफ को हमेशा भारतीय वोडका बाजार में मजबूत उपभोक्ता पहचान और सांस्कृतिक जुड़ाव प्राप्त रहा है। इस रिवैम्प के साथ हम आज के उपभोक्ताओं के लिए ब्रांड की नई कल्पना कर रहे हैं, जिसमें नया आकर्षक लुक, अधिक स्मूद लिक्विड अनुभव और बेहतर प्रीमियम अपील शामिल है, जबकि ब्रांड की वही मजेदार और युवा पहचान बरकरार रखी गई है जिसे उपभोक्ता पसंद करते हैं। व्हाइट मिसचीफ वोडका अब महाराष्ट्र भर में 750 मि.ली., 180 मि.ली. और 90 मि.ली. पैक साइज में उपलब्ध है।

12 साल के विकास का महाकुंभ काशी में, योजनाओं से लेकर नए भारत की तस्वीर तक एक मंच पर

-सुरेश गांधी

वाराणसी। देश में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे हुए 12 वर्षों की विकास यात्रा को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से बुधवार को काशी के बड़ालालपुर स्थित ट्रेड फैसिलिटेशन सेंटर (टीएफसी) में विकास, सुशासन और जनकल्याण का भव्य संगम दिखाई दिया। 12 साल विश्वास के, विकास के, जनकल्याण के₹ थीम पर शुरू हुई पांच दिवसीय प्रदर्शनी में केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार की उपलब्धियों, जनहितकारी योजनाओं और बदलते भारत की तस्वीर को आधुनिक एवं आकर्षक अंदाज में प्रस्तुत किया गया।

प्रदर्शनी का उद्घाटन केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, सुशासन, गरीब कल्याण, आधारभूत संरचना, सांस्कृतिक पुनर्जागरण, महिला सशक्तिकरण, किसान कल्याण और युवाओं के सशक्तीकरण के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। सरकार की योजनाएं अब केवल घोषणाओं तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक उनका लाभ पहुंच रहा है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने की दिशा में केंद्र और राज्य सरकार लगातार कार्य कर रही हैं। गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के जीवन में सकारात्मक बदलाव आया है। यह प्रदर्शनी सरकार की विकास यात्रा को आमजन तक पहुंचाने का प्रभावी माध्यम बनेगी और विशेष रूप से युवाओं को देश में हो रहे परिवर्तन से परिचित कराएगी।

योजनाओं से लेकर आधुनिक भारत की तस्वीर तक

प्रदर्शनी में आधारभूत संरचना, एक्सप्रेस-वे, रेलवे, डिजिटल इंडिया, महिला सशक्तिकरण, कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सामाजिक सुरक्षा, गरीब कल्याण और सुशासन सहित विभिन्न क्षेत्रों में हुए कार्यों को तथ्यात्मक आंकड़ों, आकर्षक फोटो पैनलों और डिजिटल प्रस्तुति के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। बड़ी संख्या में पहुंचे विद्यार्थियों, युवाओं और आम नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया और सरकारी योजनाओं को सरल एवं प्रभावी तरीके से प्रस्तुत किए जाने की सराहना की।

21 जून तक चलेगा विकास महोत्सव

सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के सहायक निदेशक सुरेंद्र नाथ पाल ने बताया कि यह प्रदर्शनी 21 जून तक प्रतिदिन सुबह 9:30 बजे से शाम 6 बजे तक आमजन के लिए खुली रहेगी। इसी अवधि में जनकल्याण शिविर, स्वास्थ्य शिविर, प्रबुद्धजन संवाद तथा जिला स्तरीय स्वदेशी सरस मेले का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे नागरिकों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ और जानकारी दोनों उपलब्ध हो सके।

कई मंत्री और जनप्रतिनिधि रहे मौजूद

उद्घाटन समारोह में प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर, स्टाम्प राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रविन्द्र जायसवाल, आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु', एमएसएमई राज्य मंत्री हंसराज विश्वकर्मा, पूर्व मंत्री एवं विधायक डॉ. नीलकंठ तिवारी, विधान परिषद सदस्य राय धर्मेंद्र सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष पूनम मौर्य, विधायक डॉ. अवधेश सिंह, सौरभ श्रीवास्तव, त्रिभुवन राम, क्षेत्रीय अध्यक्ष दिलीप कुमार पटेल, जिलाध्यक्ष रामसकल पटेल, जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार, मुख्य विकास अधिकारी प्रखर कुमार, डीसी एनआरएलएम पवन सिंह सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी की खास बातें

17 से 21 जून तक चलेगा आयोजन। 21 जून तक सुबह 9:30 से शाम 6 बजे तक रहेगा खुला। विकास, सुशासन और जनकल्याण पर आधारित आकर्षक प्रदर्शनी। स्वास्थ्य शिविर, जनकल्याण शिविर, प्रबुद्धजन संवाद और सरस मेले का भी होगा आयोजन।

उत्तरशक्ति उपसंपादक के प्रयास से महिला का खोया पर्स सुरक्षित वापस मिला

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कुर्ला टर्मिनस रेलवे स्टेशन पर उत्तरशक्ति के उपसंपादक रमेश प्रजापति ने ईमानदारी और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय देते हुए एक मुस्लिम महिला का खोया हुआ पर्स सुरक्षित वापस दिलाकर मानवता की मिसाल पेश की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुर्ला टर्मिनस के प्लेटफॉर्म नंबर 4 पर ट्रेन संख्या 15017 के बी-1 कोच के सामने एक बेंच पर काफी समय से एक पर्स लावारिस अवस्था में पड़ा हुआ था। इसी दौरान वहां मौजूद उत्तरशक्ति के उपसंपादक रमेश प्रजापति की नजर उस पर्स पर पड़ी। उन्होंने देखा कि कुछ लोग पर्स के आसपास घूम रहे हैं, जिससे उन्हें संदेह हुआ। तत्परता दिखाते हुए उन्होंने तुरंत स्थिति को संभाला और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को इसकी सूचना दी। कुछ देर बाद एक मुस्लिम महिला अपने पति के साथ घबराई हुई अवस्था में वहां पहुंची और बताया कि वह पर्स उनका है। रमेश प्रजापति ने आरपीएफ अधिकारियों से संपर्क कर पूरी जानकारी दी। अधिकारियों के निर्देशानुसार आवश्यक पुष्टि के बाद पर्स महिला को सौंप दिया गया। महिला ने पर्स की जांच की तो उसमें रखा मोबाइल फोन, नकदी, दवाइयां, आभूषण तथा अन्य जरूरी सामान पूरी तरह सुरक्षित मिला। अपना कीमती सामान सुरक्षित वापस पाकर महिला की आंखों में खुशी के आंसू आ गए। महिला और उसके पति ने रमेश प्रजापति के हृदय से आभार व्यक्त करते हुए उन्हें लाखों धन्यवाद दिए। यह घटना साबित करती है कि आज भी समाज में ईमानदारी, मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना जीवित है।

वरिष्ठ पत्रकार मुकेश त्रिपाठी के पुत्र ओम का अल्पायु में दुःखद निधन

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व सरस्वती हाईट अपार्टमेंट 90 फीट रोड ओसवाल नगरी स्थित निवास दैनिक आज तक के वरिष्ठ पत्रकार मुकेश त्रिपाठी के दुसरे पुत्र कुमार ओम उम्र 11वर्ष की अल्पायु में दुःखद निधन हो गया। ओम मुकेश त्रिपाठी बहुत दिनों से बिमार चल रहे थे। उनका पैतृक गांव उत्तर प्रदेश जनपद जौनपुर, थाना मुंगरा बादशाहपुर, पोस्ट पवांरा बजार, ग्राम चेतरिया (बनकट) निवासी हैं कुमार ओम का दुःखद निधन दिनांक 17 जून 2026 दिन मंगलवार को रात 12 बजे सांस लेने में दिक्कत होने पर परिजन अस्पताल ले गए जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बुधवार को पिता मुकेश त्रिपाठी ने मुख अग्नि दे कर अंतिम संस्कार किया , उस समय कई जानी-मानी हस्तियां पत्रकार सहित कई सौ लोग उपस्थित थे। दैनिक उत्तरशक्ति के सहयोगी जगदीश तिवारी के चचेरे भाई का पोता था। उनके निधन पर दादा रामचंद्र त्रिपाठी, जय प्रकाश त्रिपाठी, राहुल त्रिपाठी, राजेन्द्र तिवारी , ओमप्रकाश त्रिपाठी , जगदीश तिवारी , राकेश तिवारी , राजेश तिवारी (अफ्सर तिवारी) , मनोज तिवारी, सुरज तिवारी, अभिषेक , सुनील तिवारी , पप्पू त्रिपाठी, अखिलेश तिवारी,रमाजीत तिवारी (भुअर तिवारी) दिनेश तिवारी , रमेश तिवारी , संजय तिवारी , दैनिक उत्तर शक्ति समाचार पत्र के संपादक ओमप्रकाश प्रजापति, उपसंपादक प्रेम चंद मिश्रा, वरिष्ठ पत्रकार प्रेम चौबे सहीत कई लोगों ने भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की है । इस दुखदायी घड़ी में ईश्वर परिवार वालों को दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें । प्रेम चंद मिश्रा ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करते हुए कहा कि परमात्मा निज आत्मा को सांची शांति आप दें।

लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग का 88.51 करोड़ रुपये के एसएमई आईपीओ

मुंबई। बेंगलुरु स्थित इंजीनियरिंग ठेकेदार लीपफ्रॉग इंजीनियरिंग सर्विसेज लिमिटेड शेयर बाजार में प्रवेश करने जा रही है। कंपनी ने अपने IPO के लिए 17 से 19 जून 2026 तक का समय निर्धारित किया है। यह इश्यू बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर लॉन्च होगा और शेयरों का मूल्य बैंड 21 रुपये से 23 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। कंपनी इस IPO के माध्यम से कुल 88.51 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। इसमें से 79.60 करोड़ रुपये की राशि 3.46 करोड़ नए इक्विटी शेयरों के फ्रेश इश्यू से प्राप्त होगी, जबकि 8.91 करोड़ रुपये की राशि मौजूदा शेयरधारकों द्वारा ऑफर फॉर सेल के माध्यम से आएगी। सूचीबद्ध होने के बाद

प्रमोटरों की हिस्सेदारी 67 प्रतिशत से अधिक रहेगी। फ्रेश इश्यू से प्राप्त राशि का बड़ा हिस्सा कंपनी के विस्तार कार्यक्रम में लगाया जाएगा। लगभग 27 करोड़ रुपये बेंगलुरु के येलेनहल्ली क्षेत्र में एक नई असेंबली सुविधा स्थापित करने पर खर्च किए जाएंगे, जबकि 36 करोड़ रुपये कार्यशील पूंजी (वर्किंग कैपिटल) की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए उपयोग किए जाएंगे। शेष राशि का उपयोग इश्यू से संबंधित खर्चों और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा।

यह नई फैक्ट्री केवल उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए ही नहीं, बल्कि पैनल असेंबली कार्य के लिए बाहरी विक्रेताओं पर कंपनी की निर्भरता कम करने के लिए भी महत्वपूर्ण होगी। बढ़ते निर्यात ऑर्डरों के बीच यह निर्भरता अब तक कंपनी के लिए एक संरचनात्मक चुनौती रही है।

वर्ष 2005 में स्थापित लीपफ्रॉग ने अपनी शुरुआत एक इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग सेवा प्रदाता के रूप में की थी। आज कंपनी इलेक्ट्रिकल, इंस्ट्रूमेंटेशन, ऑटोमेशन और कंट्रोल सिस्टम्स में विशेषज्ञता रखने वाली बहुआयामी इंजीनियरिंग समाधान प्रदाता बन चुकी है।

इंदौर के महावीर कालोनी के लोग पीने का पानी बोरिंग के भरोसे

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। भागीरथपुरा जलकांड के बाद अब इंदौर के वार्ड क्रमांक-16 स्थित महावीर नगर में दूषित पानी के कारण लोग बीमार हो रहे हैं। इस इलाके के रहवासी वर्षों से बोरिंग और टैंकरों के भरोसे अपनी प्यास बुझा रहे हैं, क्योंकि यहां अब तक नर्मदा जलापूर्ति लाइन नहीं पहुंची है।महावीर कॉलोनी में बोरिंग के पानी में सीवरेज का पानी मिलने की शिकायत के बाद उसे भी बंद कर दिया गया है। ऐसे में रहवासी पूरी तरह टैंकरों पर निर्भर हो गए हैं। हालांकि, निगम ने नई बोरिंग कराने की बात कही है। भागीरथपुरा जलकांड का खौफ आज भी लोगों के मन में बना हुआ है। यहां एक मासूम बच्ची दूषित पानी पीने से बीमार हो गई। परिजनों ने पहले उसका स्थानीय अस्पताल में उपचार कराया, लेकिन बेहतर इलाज के

लिए उसे गुजरात ले गए। बच्ची की बीमारी के बाद क्षेत्र के लोगों में भी चिंता बढ़ गई है। वहीं, मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए क्षेत्र का आयुक्त क्षितिज सिंघल ने निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ करने के निर्देश दिए हैं।पार्षद सोनाली मुकेश धारकर ने बताया कि यह कॉलोनी पहले बागड़दा पंचायत क्षेत्र में आती थी। वर्ष 2012 में 29 गांवों के शहरी क्षेत्र में शामिल होने के बाद यह नगर निगम सीमा में आ गई। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में नर्मदा जलापूर्ति के लिए पानी की टंकी बनवाने के प्रयास किए गए हैं। अमृत-2 योजना के तहत टंकी का निर्माण प्रस्तावित है। इसके लिए मुक्तिधाम के समीप भूमि भी चिन्हित कर ली गई है। जलापूर्ति लाइन बिछाने का कार्य भी प्रस्तावित है। टंकी बनने के बाद पाइपलाइन डालने का काम शुरू किया जाएगा। इससे क्षेत्र की 30 से 35 कॉलोनियों को लाभ मिलेगा। पार्षद पति मुकेश धारकर ने बताया कि महावीर नगर कॉलोनी भी पहले पंचायत क्षेत्र में आती थी। वर्ष 2012 के बाद यहां ड्रेनेज और पेयजल की समस्याएं बनी रहीं। इन समस्याओं के समाधान के लिए लगातार प्रयास किए गए हैं। उन्होंने बताया कि यह पूरा क्षेत्र नर्मदाविहीन है। वार्ड की करीब 40 कॉलोनियों में अब तक नर्मदा लाइन नहीं पहुंची है। इसी कारण लोग बोरिंग और टैंकरों पर निर्भर हैं।

उमा साइंटिफिक ने बढ़ाया भारतीय लैब उपकरण उद्योग का गौरव

मुंबई। देश की अग्रणी पैथालॉजी प्रयोगशाला उपकरण निमार्ता कंपनी LABOLIT, जो UMA SCIENTIFIC द्वारा संचालित है, को MEDIN EXPO Chennai 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन और नवाचारपूर्ण प्रयोगशाला समाधानों के लिए सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि कंपनी के लिए ही नहीं, बल्कि भारतीय वैज्ञानिक एवं पैथालॉजी प्रयोगशाला उपकरण उद्योग के लिए भी गर्व का विषय है। प्रदर्शनी के दौरान LABOLIT के स्टॉल पर बड़ी संख्या में देश ही नहीं अपितु विदेश के पैथालॉजी प्रयोगशाला विशेषज्ञों, उद्योग प्रतिनिधियों एवं व्यवसायिक आगंतुकों ने पहुंचकर कंपनी के उत्पादों और तकनीकी नवाचारों की सराहना की। कंपनी ने अपने उन्नत Micropipettes, Multichannel Micropipettes, Bottle Top Dispensers सहित विभिन्न प्रयोगशाला उपकरणों का प्रदर्शन किया, जिन्हें आगंतुकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई। कंपनी प्रबंधन ने इस सम्मान को अपने ग्राहकों, व्यापारिक सहयोगियों और शुभचिंतकों के विश्वास एवं सहयोग का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि LABOLIT का उद्देश्य भारतीय पैथालॉजी प्रयोगशालाओं को विश्वस्तरीय गुणवत्ता के उपकरण उपलब्ध कराना है, जिससे वैज्ञानिक अनुसंधान और परीक्षण कार्यों को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। कंपनी के संस्थापक एवं निदेशक शुभम पांडेय ने इस अवसर पर कहा यह सम्मान केवल LABOLIT का नहीं, बल्कि भारतीय मैन्युफैक्चरिंग क्षमता, नवाचार और गुणवत्ता के प्रति हमारे संकल्प का सम्मान है। हमारा लक्ष्य 'Made in India'उत्पादों को वैश्विक स्तर पर स्थापित करना है।

जसलोक हॉस्पिटल की बड़ी कामयाबी

मुंबई। मुंबई के प्रतिष्ठित 'जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर' के डॉक्टरों ने चिकित्सा क्षेत्र में एक और मिसाल कायम की है। अस्पताल के विशेषज्ञों ने 75 वर्षीय बुजुर्ग मरीज, श्री जे.एम. के मलाशय (रेक्टम) से 'रोबोटिक ट्रांस-एनल मिनिमली इनवेसिव सर्जरी' (टीएएमआईएस) तकनीक के जरिए शुरूआती चरण के कैंसर की गांठ को सफलतापूर्वक निकाल दिया है। इस आधुनिक प्रक्रिया की सबसे बड़ी खासियत यह रही कि इसमें मरीज के पेट पर कोई बड़ा ऑपरेशन या चीरा नहीं लगाना पड़ा और न ही कोई स्थायी कृत्रिम मल मार्ग (स्टोमा बैग) बनाने की जरूरत पड़ी। मरीज को शुरूआत में मल के साथ खून आने की शिकायत थी। कोलोनोस्कोपी और एंडोस्कोपिक अल्ट्रासाउंड जांच में उनके मलाशय की भीतरी परत पर 4 से 5 सेंटीमीटर आकार का एक बड़ा पॉलिप (गाँठ) मिला, जिसमें शुरूआती चरण के कैंसर की पुष्टि हुई। आमतौर पर ऐसे मामलों में पेट का बड़ा ऑपरेशन कर मलाशय का हिस्सा निकालना पड़ता है, जिससे कई बार मरीज को जीवनभर पेट पर मल एकत्र करने वाली थैली (स्टोमा) लगानी पड़ती है। मरीज की उम्र 75 वर्ष थी और वह डायबिटीज, हृदय रोग व लिवर की बीमारियों से पीड़ित थे, जिसके कारण पारंपरिक सर्जरी उनके लिए बेहद जानलेवा साबित हो सकती थी। मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए जसलोक हॉस्पिटल की मेडिकल टीम ने 'डा विंची सर्जिकल रोबोट' की मदद से प्राकृतिक गुदा मार्ग के जरिए ही ऑपरेशन करने का निर्णय लिया। इस रोबोटिक तकनीक की उच्च सटीकता और स्पष्ट दृश्यता के कारण डॉक्टरों ने बिना किसी अंदरूनी अंग को नुकसान पहुंचाए ट्यूमर को सुरक्षित रूप से बाहर निकाल दिया। इस अत्याधुनिक इलाज की बदौलत मरीज की रिकवरी इतनी तेज रही कि उन्हें केवल दो दिन बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। ऑपरेशन के 8 महीने बीत जाने के बाद भी मरीज पूरी तरह कैंसर मुक्त हैं। इस जटिल सर्जरी का नेतृत्व जीआई एवं रोबोटिक कोलोरेक्टल सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. चिंतामणी गोडबोले ने किया, जिसमें जूनियर कंसलटेंट डॉ. परनाशा और एनेस्थिसियोलॉजिस्ट की टीम ने सहयोग दिया। जीआई एवं रोबोटिक कोलोरेक्टल सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. चिंतामणी गोडबोले ने कहा, ₹बुजुर्ग और अन्य बीमारियों से ग्रस्त मरीजों के लिए पारंपरिक सर्जरी काफी जोखिम भरी होती है। रोबोटिक टीएएमआईएस तकनीक ने रेक्टल कैंसर के इलाज को बेहद सुगम बना दिया है। यह प्लेटफॉर्म हमें अंगों की कार्यप्रणाली को सुरक्षित रखते हुए कैंसर को पूरी तरह खत्म करने की ताकत देता है। जसलोक हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के सीईओ जितेंद्र हरियान ने कहा, ₹यह मामला स्वास्थ्य सेवा में आधुनिक तकनीक और इनोवेशन के महत्व को साबित करता है। एक बुजुर्ग मरीज को बिना किसी असहनीय दर्द के कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से उबरते देखना बेहद संतोषजनक है। जसलोक हॉस्पिटल मरीजों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध है।

जसदण पटारी हैंडीक्राफ्ट को जीआई मान्यता, नाबार्ड के समर्थन से गुजरात के पारंपरिक शिल्प का संरक्षण

मुंबई। जीआई रजिस्ट्री ने गुजरात के जसदण पटारी पारंपरिक शिल्प को भौगोलिक संकेतक (जीआई) पंजीकरण की मान्यता दी है। राजकोट जिले के जसदण ब्लॉक के कारीगरों के लिए यह एक महत्वपूर्ण माइलस्टोन है। पीढ़ियों से प्रचलित यह अनोखा शिल्प गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक शिल्प कौशल का प्रमाण है। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने अपनी ग्राम्य विकास निधि (जीवीएन) के अंतर्गत इस जीआई पंजीकरण के लिए सहायता प्रदान की है। यह सहायता जीआई उत्पाद की जागरूकता बढ़ाने, दस्तावेजीकरण और जीआई आवेदन की प्रक्रिया के लिए उपलब्ध कराई गई है। पंजीकरण की प्रक्रिया सेंटर फॉर एनवायरमेंट एजुकेशन (सीईई) के माध्यम से की गई है। इससे पहले, नाबार्ड ने गुजरात में दो अन्य उत्पादों- कच्छ की अजरख ब्लॉक प्रिंट (2021-22 में स्वीकृत) और अमलसाड चीकू, नवसारी (2020-21 में स्वीकृत) के लिए इसी तरह की सहायता उपलब्ध कराई थी। इन दोनों का जीआई पंजीकरण सफलतापूर्वक पूर्ण हो चुका है। जीआई टैग मिलने से प्रामाणिक शिल्प उत्पादों को नकल के समक्ष कानूनी सुरक्षा मिलती है, बाजार में उनकी पहचान बढ़ती है और घरेलू तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार के बेहतर अवसर मिलते हैं। कृषि उत्पादों के मामले में इससे किसानों के लिए मार्केट लिंकेज भी बेहतर होता है। नाबार्ड ने बताया कि इस पहचान से पारंपरिक ज्ञान को आगे बढ़ाया जा सकेगा। साथ ही, ग्रामीण आजीविका बढ़ाने और युवा व महिला शिल्पकारों की अधिक भागीदारी सुनिश्चित करने में भी यह सहायक सिद्ध होगा।

IGI D शो के 23वें एडिशन में 45 मैन्युफैक्चरर्स और 180 से ज्यादा रिटेलर्स ने एकजुट होकर इस बिजनेस के लिए एक नया रिकॉर्ड बनाया

मुंबई। इंटरनेशनल जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (IGI) की ओर से ताज सिदादे डी गोवा, पणजी में आयोजित IGI D शो का 23वां एडिशन सफल तरीके से पूरा हुआ। यह शो भारत की डायमंड और ज्वेलरी इंडस्ट्री के लिए एक और बड़ी कामयाबी है। 11 से 13 जून के दौरान 'ब्लूप्रिंट ऑफ ब्रिलिएंस' की थीम पर आधारित इस तीन दिनों के शो ने एक बार फिर साबित कर दिया कि यह बायर-सेलर मीट के रूप में सबसे असरदार है। इस शो में पूरे भारत के 45 डायमंड मैन्युफैक्चरर्स और 180 से ज्यादा रिटेलर्स एक ही छत के नीचे इकट्ठा हुए, जहाँ बड़े पैमाने पर बिजनेस करने और मिलकर आगे बढ़ने के लिए बेहतरीन माहौल देखने को मिला।

इस शो के 23वें एडिशन में सेन्को गोल्ड एंड डायमंड्स, खडर अलुक्कास और रेवा डायमंड्स बाय पीएनजी देश के बड़े रिटेल ब्रांड्स शामिल हुए। इनके साथ ही देश में डायमंड ज्वेलरी में अपनी बेहतरीन कारीगरी पेश करने वाले मैन्युफैक्चरर्स ने भी हिस्सा लिया। शो में हजारों प्रीमियम ज्वेलरी डिजाइन्स दिखाए गए, जिनमें शानदार कॉउचर कलेक्शन और फैंसी आकार वाले बेहतरीन डायमंड मास्टरपीस से लेकर आज के जमाने के पसंदीदा रिटेल डिजाइन्स भी शामिल थे, जहाँ खरीदारों को इंडस्ट्री की बेहतरीन कारीगरी को करीब से देखने का मौका मिला। मैन्युफैक्चरर्स के लिए डी शो हमेशा की तरह बेजोड़ प्लेटफॉर्म साबित हुआ, जहाँ उन्होंने अपनी सबसे बेहतरीन कारीगरी को समझदार रिटेल खरीदारों के सामने पेश किया। दूसरी तरफ, इस शो में रिटेलर्स को भी सर्टिफाइड कलेक्शन, भरोसेमंद सप्लायर के साथ जुड़ने और आमने-सामने बैठकर बिजनेस से जुड़ी बातचीत करने का मौका मिला। भले ही तैयार ज्वेलरी की जांच के लिए मेटल क्वालिटी चेक हमेशा से IGI की सेवाओं में शामिल रहा हो, पर अब संस्थान अपनी इस काबिलियत को लोगों के सामने लाने पर ज्यादा जोर दे रहा है। IGI के मेटल क्यूसी के तहत तैयार ज्वेलरी की क्वालिटी को परखा जाता है, जिसमें उनकी कारीगरी, पहनने में आसानी, सतह की फिनिशिंग, मजबूती, सेटिंग, प्लेटिंग के एक जैसे होने, वजन और आकार, तथा उस पर लगे स्टैम्प या उस पर की गई नक्काशी की जैसी हर चीज की बारीकी से जांच की जाती है। यह सुविधा मैन्युफैक्चरर्स और रिटेलर्स को ग्राहक तक ज्वेलरी पहुँचने से पहले ही उसकी कमियों को पहचानकर उसे सुधारने में मदद करती है, जिससे कुल मिलाकर उसकी क्वालिटी पर भरोसा और बढ़ जाता है।